RAJHIN/2016/70516
Bhilwara/171/2026-2028
सच्चाई से रुबरु
smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 अंक-344 जयपुर, शुक्रवार, 12 जून 2026 मूल्य-4 रूपये

नीति आयोग की 11वीं बैठक: प्रधानमंत्री ने एआई के संतुलन और अल नीनो पर चर्चा की

दुनिया में अस्थिरता, आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहा भारत

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में गुरुवार को दिल्ली में नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 11वीं बैठक हुई। 11 साल में पहली बार बैठक में सभी 28 राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि देश को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अवसरों और इसके सामाजिक खतरों के बीच संतुलन बनाना होगा।

उन्होंने साइबर धोखाधड़ी और ड्रग्स की समस्या से निपटने के साथ-साथ अल-नीनो (El Nino) के खतरों से सावधान रहने और जल संरक्षण को मजबूत करने की अपील की। वहीं, तमिलनाडु के सीएम विजय ने PM के सामने NEET परीक्षा का विरोध किया।

उन्होंने कहा कि NEET शुरू होने के बाद ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्रों पर असर पड़ा है। विजय ने केंद्र से तमिलनाडु में MBBS-BDS सीटों पर 12वीं बोर्ड परीक्षा के अंकों के आधार पर एडमिशन देने की इजाजत मांगी।

सीएम विजय ने केंद्र से तमिलनाडु का रुका हुआ 3,284 रूपए करोड़ का शिक्षा फंड बिना नई शिक्षा नीति और तीन-भाषा नीति की शर्त के जारी करने की मांग की। हालांकि पेपर लीक के मुद्दे पर बैठक में कोई चर्चा नहीं हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जैसे-जैसे देश 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, देश की सामूहिक जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। भारत ने कई देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किए हैं। इससे विकास और निर्यात के नए अवसर बनेंगे। देश के एमएसएमई अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार खुद को युवाओं को तैयार कर सकेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का डेमोग्राफिक डिविडेंड ऐतिहासिक अवसर है, जिसे खोने की कीमत देश नहीं चुका सकता। उन्होंने जोर देकर कहा कि युवाओं के लिए सही इकोसिस्टम बनाना प्राथमिकता रहनी चाहिए। इसमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मांग के अनुसार स्किलिंग, रोजगार के अवसर शामिल हैं।

इस बार नीति आयोग की थीम: समावेशी मानव विकास

इस साल नीति आयोग की बैठक की थीम 'विकसित भारत @2047 के लिए समावेशी मानव विकास' थी। इसका मतलब 2047 तक हर उम्र, क्षेत्र, लिंग और सामाजिक-आर्थिक बैकग्राउंड से परे हर भारतीय तक विकास का लाभ पहुंचाना है।

भारत 2047 में आजादी के 100 साल पूरे करेगा। केंद्र सरकार का लक्ष्य तब तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। इसके लिए तष्ठक्क बढ़ाने के साथ मानव पूंजी को मजबूत करना, युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करना, रोजगार बढ़ाना, महिलाओं और वंचित वर्गों को अवसर देना क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना भी जरूरी है।

इसी वजह से नीति आयोग की बैठक में शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य, पोषण, उद्यमिता, रोजगार और सामाजिक समानता जैसे मुद्दों पर विशेष चर्चा हुई, ताकि विकास का लाभ हर भारतीय तक पहुंच सके।

राज्यों से की अपील

उन्होंने सभी राज्यों से अपील करते हुए कहा कि वे महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा और उनके सशक्तिकरण को भी प्राथमिकता दें। इसके साथ ही पीएम मोदी ने सहकारी संघवाद यानी केंद्र और राज्यों के मिलकर काम करने की भावना पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों को आपस में बातचीत और सहयोग बढ़ाना चाहिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने रखा विकसित राजस्थान-2047 का विजन

बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान के विकास का व्यापक रोडमैप प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवा शक्ति, निवेश संवर्धन, कृषि समृद्धि, महिला सशक्तीकरण, हरित ऊर्जा व सुशासन को आधार बनाकर वर्ष 2047 तक विकसित राजस्थान के लक्ष्य को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गरीब, युवा, किसान और महिलाओं को अपनी सभी योजनाओं एवं नीतियों के केंद्र में रखकर काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया राज्य सरकार ने निवेश को बढ़ावा देने के लिए 35 से अधिक नई नीतियां लागू की हैं। प्रदेश में अब तक 35 लाख करोड़ के निवेश संबंधी एमओयू पर हस्ताक्षर हो चुके हैं, जिनमें से 9 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। उन्होंने कहा प्रदेश को 9 एमएमटीपीए क्षमता की आधुनिक रिफाइनरी की सौगात भी मिली है, जो औद्योगिक विकास को नई दिशा देगी।

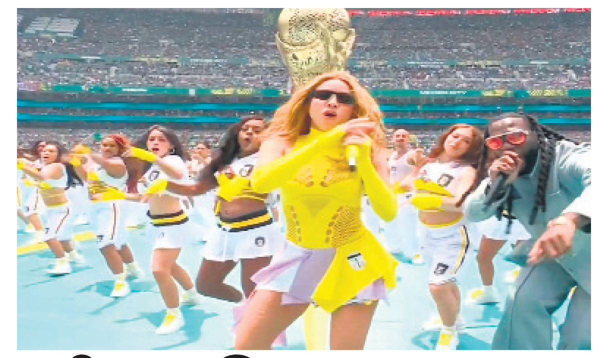

फीफा विश्व कप का भव्य आगाज

शकीरा, बर्ना बॉय, जे बाल्विन और बेलिंडा की शानदार प्रस्तुतियों ने बांधा समां

मैक्सिको सिटी

फुटबॉल के सबसे बड़े महाकुंभ फीफा विश्व कप 2026 का आगाज एक भव्य और रंगारंग उद्घाटन समारोह के साथ हुआ। संगीत, रोशनी और शानदार आतिशबाजी से सजे इस समारोह ने स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों को रोमांच से भर दिया। दुनिया के कई मशहूर कलाकारों की दमदार प्रस्तुतियों ने माहौल को उत्सव में बदल दिया, जबकि हर प्रदर्शन के साथ दर्शकों का उत्साह भी चरम पर पहुंचता गया।

उद्घाटन समारोह का सबसे बड़ा आकर्षण शकीरा और बर्ना बॉय की संयुक्त प्रस्तुति रही। दोनों कलाकारों ने 'दाई दाई' गीत पर शानदार परफॉर्मेंस दी, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। शकीरा की दमदार मौजूदगी और बर्ना बॉय की जोशीली प्रस्तुति ने पूरे स्टेडियम को एक साथ झूमने पर मजबूर कर दिया। दर्शक भी गीत के साथ गाते और तालियां बजाते नजर आए। प्रस्तुति के अंत में शानदार आतिशबाजी के साथ उद्घाटन समारोह का समापन हुआ।

उद्घाटन समारोह की शुरुआत लोकप्रिय बैंड माना की प्रस्तुति से हुई। मंच पर उनकी परफॉर्मेंस के दौरान आसमान आतिशबाजी की रोशनी से जगमगा उठा।

चिकित्सा मंत्री के विरोध में कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन

पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

बीकानेर

बीकानेर में सिजेरियन डिलीवरी के बाद महिलाओं की किडनी खराब होने के मामले में चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के बयान पर विवाद हो गया। इस पर खींवसर ने कहा- सभी की तबीयत पहले से सही नहीं थी। उन्होंने सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सुरेंद्र वर्मा से कहा- आप ही बताइए कैसी हालत में आई थी, पैदल चलकर नाचती आई थी या बीमार होकर आई थी।

मंत्री ने डॉक्टर्स का बचाव करते हुए कहा- हम इतने लोगों की जान बचाते हैं, तब आप नहीं कहते। आप मोर्टेलिटी की बात कर रहे हैं। 1000 पेशेंट आते हैं, उनमें से 2 की डेथ हो जाती है, बाकी दुरुस्त होकर जाते हैं, वो आप नहीं बोल रहे हो।

इसी दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता-पदाधिकारी प्रदर्शन करने लगे थे। माहौल उस समय हिंसक हो उठा जब कार्यकर्ताओं ने मंत्री के विरोध में नारेबाजी करते हुए मेडिकल कॉलेज परिसर में घुसने की कोशिश की। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा और धक्के देकर वहां से खदेड़ा।

ओडिशा में मिसाइल टेस्ट की तैयारी, 11 गांव खाली कराए

बालासोर

ओडिशा के बालासोर जिले में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के तय मिसाइल टेस्ट से पहले गुरुवार को प्रशासन ने 11 गांव खाली करा लिए। चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज के लॉन्च पैड-3 के 3.5 किलोमीटर दायरे से 11,442 लोगों को अस्थायी तौर पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

बुधवार को भी इन्हीं इलाकों के लोगों को उनके घरों से हटाया गया था। तय अभ्यास पूरा होने के बाद शाम को उन्हें वापस लौटने की अनुमति दे दी गई थी।

राज्यसभा चुनाव- 26 में से 23 उम्मीदवार निर्विरोध जीते

राजस्थान- भाजपा दो और कांग्रेस एक राज्यसभा सीट पर जीती

नई दिल्ली

12 राज्य की 26 राज्यसभा सीटों पर 23 उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं। इनमें महाराष्ट्र और तमिलनाडु की 1-1 सीट पर उपचुनाव थे। जीतने वालों में 12 भाजपा, 5 कांग्रेस, 3 TDP, 1 NCP, NPP और 1 जनसेना से है। चुनाव जीतने वालों में कर्नाटक से कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और मीडिया व प्रचार प्रमुख पवन खेड़ा का नाम शामिल है।

इन 23 सीटों में से भाजपा को 2 सीटों का फायदा हुआ है। MP में 3 सीटें खाली हुई थीं, इनमें 2 भाजपा और 1 सीट कांग्रेस के पास थी। वहीं, गुजरात में 4 सीटें खाली हुई थीं। इनमें 3 भाजपा और 1 कांग्रेस के पास थी। अब दोनों राज्यों की 7 सीटों पर भाजपा उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं। बाकी 3 सीटों पर 18 जून को वोटिंग होगी।

सतीश पूनिया, अलका सिंह और नीरज डांगी निर्विरोध चुने गए

राजस्थान में राज्यसभा की 3 सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन हो गया है। 2 सीटों पर भाजपा के सतीश पूनिया, अलका गुर्जर और 1 सीट पर कांग्रेस के नीरज डांगी ने जीत दर्ज की है। आज नाम वापसी का समय खत्म होने के बाद तीनों उम्मीदवारों को निर्विरोध चुने जाने की घोषणा कर दी गई।

विधानसभा सचिव और चुनाव अधिकारी ने तीनों उम्मीदवारों के निर्वाचन सर्टिफिकेट जारी कर दिए हैं। राज्यसभा चुनावों के लिए 18 जून को वोटिंग होनी थी, लेकिन तीन सीटों पर तीन ही उम्मीदवार होने के कारण वोटिंग की जरूरत नहीं पड़ी। तीनों सांसदों का कार्यकाल जून 2032 तक रहेगा।

कांग्रेस राज के दौरान राज्यसभा चुनावों के दौरान कड़ा मुकाबला होने के कारण विधायकों की बाड़ेबंदी की गई थी, लेकिन इस बार ऐसी जरूरत नहीं पड़ी। राज्यसभा की तीनों सीटों पर संख्या बल के हिसाब से 2 पर भाजपा और 1 पर कांग्रेस की जीत के समीकरण थे।

केरलम में निपाह वायरस लौटा, संक्रमित वेंटिलेटर पर

शिगेला इंफेक्शन के भी 55 मरीज एडमिट

तिरुवनंतपुरम

केरलम में इस साल निपाह वायरस का पहला केस सामने आया। 43 साल मरीज कोझिकोड का रहने वाला है। मरीज को हल्का बुखार आने पर प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। बाद में कोझिकोड मेडिकल कॉलेज भेजा गया। उसकी हालत गंभीर है और वह वेंटिलेटर पर है।

राज्य सरकार ने रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट जारी किया। निपाह के अलावा चार जिलों वायनाड, तिरुवनंतपुरम, कोझिकोड और कोल्लम में शिगेला इंफेक्शन का असर है। 20 लोगों में शिगेला की पुष्टि हुई है। 55 मरीज अस्पतालों में एडमिट हैं। कुल 578 लोग शिगेला के संदिग्ध पाए गए हैं।

सबसे ज्यादा असर वायनाड में दिखा है। यहां संक्रमितों में बड़ी संख्या सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल के छात्रों की है। अस्पताल में भर्ती 55 मरीजों में से 47 भी वायनाड के हैं। इसके अलावा सात सैंपलों की जांच रिपोर्ट अभी आना बाकी है।

4 दिन में टीएमसी के 4 राज्यसभा सांसदों का इस्तीफा

दावा-20 लोकसभा सांसद अलग गुट बना चुके

कोलकाता/नई दिल्ली

टीएमसी के राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बराइक और कोयल मल्लिक ने गुरुवार को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। पिछले चार दिन में 13 में से चार राज्यसभा सांसद ममता को छोड़कर जा चुके हैं।

10 जून को सुष्मिता देव ने रिजाइन किया था। 8 जून को सुखेंदु शेखर ने राज्यसभा सदस्यता और पार्टी छोड़ी थी। इससे पहले टीएमसी की बागी सांसद काकोली घोष ने दावा किया था कि 20 लोकसभा सांसद अलग गुट बना चुके हैं। वहीं, 80 में से 58 टीएमसी विधायकों का भी अलग गुट बन चुका हैं।

इस बीच, ममता बनर्जी के सबसे करीबी सांसद कल्याण बनर्जी की भी नाराजगी सामने आई। कल्याण की नाराजगी की वजह टीएमसी का फर्जी साइन केस है।

उन्होंने कहा कि ममता दीदी को तय करना होगा कि वे मेरे साथ हैं या अभिषेक बनर्जी के साथ। अभिषेक को सीनियर नेताओं का सम्मान करना नहीं आता।

प्रकाश चिक बोले- मैं बूढ़ा नहीं हुआ, आगे समय बताएगा

इस्तीफे के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रकाश चिक ने कहा- पश्चिम बंगाल में लोगों का फैसला भाजपा के पक्ष में था। पार्टी ने वहां सरकार बनाई। मेरे अपने चुनाव क्षेत्र में हम एक भी सीट नहीं जीत पाए। उत्तर बंगाल में भी नतीजे अच्छे नहीं रहे। इस जनादेश को देखते हुए मुझे लगा कि अब मेरे पद पर बने रहना ठीक नहीं है। इसलिए, मैंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। आगे इंतजार कीजिए, समय के साथ सब सामने आएगा।

फालता में पुलिस ने जहांगीर खान की हाफ पैंट में परेड कराई

दुर्गापुर में टीएमसी नेता पर अंडे फेंके, भीड़ ने घेरा

कोलकाता

बंगाल के फालता में गुरुवार को टीएमसी नेता जहांगीर खान की पुलिस ने हाफ पैंट (निक्कर) में परेड कराई। जांच के सिलसिले में पुलिस उन्हें फलता लेकर गई थी। 8 जून को अवैध वसूली के आरोप में उन्हें नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया था। वहीं, दुर्गापुर में एक और टीएमसी नेता सुकुमार दत्ता को भ्रष्टाचार और जबरन वसूली समेत कई आरोपों में गिरफ्तार किया गया। जब पुलिस उन्हें थाने से अदालत ले जा रही थी, तब भीड़ ने उन पर अंडे फेंके। टीएमसी नेता पर जमीन कब्जाने, रंगदारी वसूलने और स्थानीय लोगों को डराने-धमकाने का भी आरोप है। थाने के बाहर प्रदर्शनकारियों ने दत्ता के खिलाफ नारेबाजी की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रदर्शन में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद थे।

जहांगीर का फालता में दबदबा था। जहांगीर खान ने चुनाव प्रचार के दौरान खुद को फिल्म 'पुष्पा' के किरदार की तरह पेश किया था।

रामगढ़ में 20 किलोवाट एफएम ट्रांसमीटर का उद्घाटन

जैसलमेर

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को आकाशवाणी जयपुर परिसर से जैसलमेर जिले के रामगढ़ में स्थापित 20 किलोवाट क्षमता के आकाशवाणी एफएम ट्रांसमीटर का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस नई सुविधा के शुरू होने से राजस्थान में एफएम ट्रांसमीटरों की संख्या बढ़कर 39 हो गई है।

नए ट्रांसमीटर से सीमावर्ती क्षेत्र में लगभग 80 किलोमीटर के दायरे में रेडियो प्रसारण उपलब्ध होगा। इससे जैसलमेर जिले के करीब 20 हजार वर्ग किमी क्षेत्र में रहने वाले लोगों को समाचार, शिक्षा, कृषि, जनकल्याण और मनोरंजन से जुड़े कार्यक्रमों का लाभ मिलेगा। बदलते तकनीकी दौर में रेडियो प्रसारण को प्रासंगिक और प्रभावशाली बनाए रखने के लिए 'डिजिटल फर्स्ट' व 'हाइपर-लोकल' दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है।

समारोह में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रसार भारती के अधिकारियों को इस दिशा में रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए व स्थानीय कलाकारों व शिल्पकारों को प्रसारण व्यवस्था से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने जयपुर में विकसित किए जा रहे एआई डेटा सेंटर का उल्लेख करते हुए इसे भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं को पूरा करने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया।

कार्यक्रम में प्रसार भारती अध्यक्ष प्रसून जोशी ने कहा कि आकाशवाणी और दूरदर्शन जैसे संस्थान आज भी समाज की जड़ों से जुड़े हुए हैं और जनसामान्य तक विश्वसनीय सूचना पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह ट्रांसमीटर सीमावर्ती क्षेत्रों में आकाशवाणी और दूरदर्शन की पहुंच को मजबूत करेगा तथा 'कश्मीर से कच्छ' तक प्रसारण अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने की परिकल्पना को आगे बढ़ाएगा। आकाशवाणी जयपुर परिसर में आयोजित समारोह में राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, जयपुर सांसद मंजू शर्मा, आकाशवाणी के महानिदेशक राजीव कुमार जैन सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। वहीं जैसलमेर सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए।

अश्विनी वैष्णव ने एमएनआईटी में मेकर्स लैब का किया शुभारंभ

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को जयपुर दौरे के दौरान मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में मेकर्स लैब का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर नवाचार, तकनीक और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने विवेकानंद लेक्चर थिएटर कॉम्प्लेक्स में आयोजित कार्यक्रम में मेकर्स लैब का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में संस्थान के अधिकारी, शिक्षक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। विद्यार्थियों के साथ संवाद के दौरान उन्होंने देश में तकनीकी विकास, डिजिटल इंडिया, नवाचार और रोजगार के नए अवसरों पर चर्चा की।

इससे पहले अश्विनी वैष्णव ने जयपुर स्थित आकाशवाणी केंद्र पहुंचकर वर्चुअल माध्यम से जैसलमेर के रामगढ़ में 20 किलोवाट एफएम ट्रांसमीटर का उद्घाटन किया।

मणिपुर में कुकी समुदाय के 2 लोगों की हत्या

इम्फाल

मणिपुर में गुरुवार सुबह 4:55 बजे संदिग्ध उग्रवादियों के कुकी समुदाय के 2 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। 30 घरों में आग भी लगा दी गई। घटना कामजोंग जिले के कुलतूह कुकी गांव की है।

एक दिन पहले कांगपोकपी जिले में नगा समुदाय के 6 लोगों के शव बरामद हुए थे। आशंका जताई गई है कि सभी शव उन 6 लोगों के हैं, जिन्हें 13 मई को लीलोन वैफेई गांव से अगवा किया गया था।

पुलिस के मुताबिक दोनों की घटनाओं के बाद से इन इलाकों में तनाव का माहौल है। इलाके में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है।

मणिपुर के कांगपोकपी जिले के लीलोन वैफेई गांव से 13 मई को नगा समुदाय के 6 लोगों का अपहरण कर लिया गया था। करीब 29 दिन बाद, 9 जून को कराम वैफेई गांव से 6 शव मिले। माना जा रहा है कि ये शव उन्हीं छह लोगों के हैं, जिन्हें अगवा किया गया था।

पुलिस के अनुसार, सभी शव बुधवार रात करीब 2 बजे पोरोम्पाट स्थित अस्पताल लाए गए। शवों के पहुंचने की खबर मिलते ही वहां सैकड़ों लोग जुट गए। भीड़ के कारण तनाव बढ़ गया, जिसके बाद हालात नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े।

घटना की जांच के लिए NIA और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की टीमें भी मौके पर पहुंच गई हैं।

इस घटना के विरोध में कई जगह प्रदर्शन हुए। सेनापति जिले के करोंग इलाके में कुछ लोगों ने सामान से भरे ट्रकों में आग लगा दी। नगा पीपुल्स फ्रंट (NPF) के कार्यालय में तोड़फोड़ की गई। वहीं, तमेंगलोंग जिले के तामेई इलाके में भी लोगों ने हंगामा किया।

मोदी युग के बारह वर्षः विकास, विश्वास और विराट का उदय

ललित गर्ग

मोदी युग की सबसे बड़ी विशेषता केवल विकास नहीं, बल्कि विकास और विश्वास का समन्वय है। नेहरू युग को आधुनिक भारत के निर्माण का काल कहा गया, तो मोदी युग को उस भारत के आत्मविश्वास के पुनर्जागरण का काल कहा जा सकता है। मोदी ने केवल सड़कों, पुलों, हवाई अड्डों और डिजिटल नेटवर्क का निर्माण नहीं किया, बल्कि करोड़ों भारतीयों के मन में यह विश्वास भी जगाया कि भारत किसी से कम नहीं है और वह विश्व मंच पर नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है।

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ कालखंड केवल शासन परिवर्तन के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के पुनर्जागरण के लिए याद किए जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते बारह वर्षों का दौर ऐसा ही एक कालखंड है। यह केवल एक प्रधानमंत्री के लंबे कार्यकाल की कहानी नहीं है, बल्कि उस भारत की कहानी है जिसने स्वयं को नए आत्मविश्वास, नई ऊर्जा और नई वैश्विक पहचान के साथ स्वयं को स्थापित किया है। नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह उपलब्धि केवल राजनीतिक सफलता नहीं है, बल्कि जनता के उस विश्वास का प्रमाण है जो बार-बार लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से व्यक्त हुआ है। भारत जैसा विशाल, बहुभाषी, बहुधार्मिक और सांस्कृतिक विविधताओं से भरा देश किसी नेतृत्व को लगातार तीन बार राष्ट्रीय जनादेश दे, यह अपने आप में असाधारण एवं ऐतिहासिक घटना है।

मोदी युग की सबसे बड़ी विशेषता केवल विकास नहीं, बल्कि विकास और विश्वास का समन्वय है। नेहरू युग को आधुनिक भारत के निर्माण का काल कहा गया, तो मोदी युग को उस भारत के आत्मविश्वास के पुनर्जागरण का काल कहा जा सकता है। मोदी ने केवल सड़कों, पुलों, हवाई अड्डों और डिजिटल नेटवर्क का निर्माण नहीं किया, बल्कि करोड़ों भारतीयों के मन में यह विश्वास भी जगाया कि भारत किसी से कम नहीं है और वह विश्व मंच पर नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है। मोदी की सबसे विलक्षण विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को केवल सत्ता संचालन का माध्यम नहीं माना, बल्कि उसे जनभावनाओं और राष्ट्रीय आकांक्षाओं से जोड़ा। वे उन विरले नेताओं में हैं जिन्होंने सरकारी योजनाओं को केवल प्रशासनिक दस्तावेज नहीं रहने दिया, बल्कि उन्हें जनआंदोलन का स्वरूप दिया। स्वच्छ भारत अभियान इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। सफाई का विषय जो कभी सरकारी विभागों तक सीमित था, उसे राष्ट्रीय चरित्र और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ दिया गया।

मोदी युग को भारत की गुम होती सांस्कृतिक अस्मिता की पुनर्स्थापना के लिए भी याद किया जाएगा। सदियों से उपेक्षित राष्ट्रीय प्रतीकों, तीर्थस्थलों और सांस्कृतिक विरासत को नई गरिमा मिली। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण केवल एक धार्मिक घटना नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की सांस्कृतिक चेतना के सम्मान का प्रतीक बना। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, केदारनाथ पुनर्निर्माण और सोमनाथ जैसे तीर्थों का विकास यह संकेत देता है कि आधुनिकता और परंपरा एक-दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि

पूरक हो सकती हैं। मोदी की एक और विशेषता यह है कि उन्होंने भारत की विदेश नीति को आत्मविश्वास का नया आयाम दिया। कभी विश्व शक्तियों के बीच संतुलन साधने वाला भारत आज वैश्विक विमर्श को प्रभावित करने वाला राष्ट्र बनकर उभरा है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, पश्चिम एशिया का संकट हो, जी-20 का नेतृत्व हो अथवा वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की आवाज उठाने का प्रश्न- भारत ने निर्णायक भूमिका निभाई है। यह वही भारत है जिसे कभी विकासशील देशों की कतार में खड़ा माना जाता था, लेकिन आज दुनिया उसकी ओर समाधान प्रदाता राष्ट्र के रूप में देख रही है।

इन बारह वर्षों की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह भी है कि शासन के केंद्र में पहली बार अंतिम व्यक्ति को रखने का गंभीर प्रयास दिखाई दिया। जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना, मुफ्त राशन योजना तथा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी योजनाओं ने करोड़ों गरीबों के जीवन में बदलाव लाने का काम किया। शासन की पारदर्शिता बढ़ी और बिचौलियों की भूमिका सीमित हुई। डिजिटल इंडिया अभियान ने तकनीक को केवल महानगरों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि गांव-गांव तक पहुंचाया। नरेंद्र मोदी की नेतृत्व शैली का एक विशिष्ट पक्ष उनका संकल्पबोध है। वे बड़े लक्ष्य निर्धारित करते हैं और उन्हें राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप देते हैं। चाहे 370 का उन्मूलन हो, तीन तलाक पर रोक हो, जीएसटी लागू करना हो, महिला आरक्षण विधेयक हो अथवा नक्सलवाद और आतंकवाद के विरुद्ध कठोर नीति-इन सभी निर्णयों में राजनीतिक जोखिम था, लेकिन उन्होंने जोखिम उठाने का साहस दिखाया। यही साहस उन्हें सामान्य राजनेताओं से अलग करता है।

हालांकि, किसी भी लोकतांत्रिक शासन की तरह चुनौतियां भी कम नहीं हैं। बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट, शिक्षा और स्वास्थ्य की बढ़ती लागत, सामाजिक विषमताएं तथा आर्थिक अवसरों का असमान वितरण ऐसे प्रश्न हैं जिनका समाधान अभी अपेक्षित है। भारत यदि 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य प्राप्त करना चाहता है तो केवल आर्थिक वृद्धि पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ चिकित्सा, रोजगार सृजन और भ्रष्टाचारमुक्त प्रशासन को भी समान प्राथमिकता देनी होगी। मोदी सरकार के आगामी वर्षों से सबसे बड़ी अपेक्षा यही है कि वह भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपने अभियान को और अधिक प्रभावी बनाए। भारत को ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता है जहां ईमानदारी अपवाद नहीं, सामान्य व्यवहार बने। शिक्षा और स्वास्थ्य को व्यावसायिक माफियाओं के प्रभाव से मुक्त कर आम नागरिक की पहुंच में लाना भी समय की मांग है। साथ ही उद्यमिता को बड़े औद्योगिक घरानों तक सीमित रखने के बजाय गांवों, युवाओं और महिलाओं तक पहुंचाना होगा ताकि प्रत्येक नागरिक रोजगार खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बन सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुझे अनेक अवसरों पर मिलने और उन्हें निकट से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वर्ष 2007 में, जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब गुजरात के आदिवासी अंचल कवांट में पूज्य आदिवासी जैन संत गणि राजेंद्र विजयजी के सान्निध्य में आयोजित एक विराट आदिवासी सम्मेलन में उनसे विस्तृत संवाद का अवसर मिला। उस सम्मेलन में वे केवल औपचारिक अतिथि के रूप में नहीं आए थे, बल्कि अपने संपूर्ण मंत्रिमंडल के साथ उपस्थित होकर आदिवासी समाज के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। उसी अवसर पर उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों के शैक्षिक उत्थान हेतु एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय को हमारे सुखी परिवार फाउंडेशन को संचालित करने के लिए प्रदान किया तथा आदिवासी विकास की दिशा में ऐतिहासिक 15,000 करोड़ रुपये की वनबंधु कल्याण योजना की घोषणा की। यह उनकी दूरदृष्टि और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की सोच का प्रमाण था। इसी सम्मेलन के दौरान एक अत्यंत रोचक और ऐतिहासिक प्रसंग भी सामने आया। गणि राजेंद्र विजयजी ने नरेंद्र मोदी से कहा-'अब आपको दिल्ली जाना चाहिए और देश की बागडोर संभालनी चाहिए।' उस समय मोदीजी ने सहज मुस्कान के साथ उत्तर दिया-'मुझे दिल्ली कौन ले जाएगा?' किंतु संतों की वाणी में एक विशेष शक्ति होती है। जो बात उस समय एक साधारण संवाद प्रतीत हुई, वही कुछ वर्षों बाद भविष्यवाणी के रूप में सत्य सिद्ध हुई।

उन दिनों गुजरात सचिवालय में भी अनेक बार जाने और मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का अवसर मिला। वहां जो सबसे अधिक प्रभावित करने वाली बात थी, वह उनकी कार्यसंस्कृति का प्रभाव था। सचिवालय में बड़े से बड़े आईएएस अधिकारी भी आत्मानुशासन, समयपालन और स्वावलंबन का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते थे। अपने छोटे-छोटे कार्य स्वयं करना, अनावश्यक तामझाम से दूर रहना, समय का सदुपयोग करना और जिम्मेदारी को सर्वोपरि मानना वहां की प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा बन चुका था। स्पष्ट महसूस होता था कि यह कार्यशैली शीर्ष नेतृत्व की प्रेरणा से विकसित हुई है। नरेंद्र मोदी केवल आदेश देने वाले प्रशासक नहीं हैं, बल्कि अपने आचरण से व्यवस्था को दिशा देने वाले नेतृत्वकर्ता हैं। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को कौशल, नवाचार और उद्यमिता से जोड़ा गया तो भारत केवल विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो सकता है। इसी प्रकार महिला शक्ति को विकास की मुख्यधारा में पूर्ण भागीदारी देकर राष्ट्र निर्माण की गति को कई गुना बढ़ाया जा सकता है। मोदी युग की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद आंकड़ों, परियोजनाओं या चुनावी जीतों में नहीं, बल्कि उस मनोवैज्ञानिक परिवर्तन में है जो भारत के जनमानस में दिखाई देता है। नरेंद्र मोदी ने बारह वर्षों में विकास की संरचनाएं खड़ी की हैं, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने करोड़ों भारतीयों के भीतर भविष्य के भारत की एक आकांक्षा जगाई है। 2047 के विकसित भारत का उनका संकल्प तभी साकार होगा जब विकास के साथ विश्वास, समृद्धि के साथ समान अवसर और शक्ति के साथ संवेदनशीलता भी जुड़ेगी। यदि यह संतुलन बना रहता है, तो इतिहास मोदी युग को केवल एक लंबे राजनीतिक कार्यकाल के रूप में नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और वैश्विक उदय के युग के रूप में याद करेगा।

संपादकीय

विकास और विश्वास

सत्ता शीर्ष पर बारह साल के कार्यकाल के दौरान अनेक विशिष्ट उपलब्धियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हिस्से में आई हैं। एक विशेष उपलब्धि यह भी है कि पहले गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। पं. नेहरू ने पहले आम चुनाव के बाद 13 मई, 1952 को विधिवत निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल शुरू किया, जो 1964 तक चला। वहीं नरेंद्र मोदी ने 26 मई, 2014 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ 9 जून, 2024 को ली। निश्चय ही भारत जैसे विशाल, सांस्कृतिक विविधता वाले तथा दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश का इतने लंबे समय तक प्रधानमंत्री बने रहना एक बड़ी उपलब्धि कही जाएगी। भाजपा नीत राजग गठबंधन सरकार के हिस्से में यूं तो कई उपलब्धियां हैं, लेकिन एक सशक्त केंद्र सरकार देश की एकता-अखंडता के लिए प्रतिबद्ध रही है। निस्संदेह, मोदी युगीन इन बारह सालों को अनुच्छेद-370 हटाने, नक्सलवाद के खात्मे, आतंकवाद के खिलाफ आक्रामक सुरक्षा नीति, आध्यात्मिक पर्यटन, महिला आरक्षण, डिजिटल इंडिया मुहिम, तीन तलाक से मुक्ति व आर्थिक आरक्षण की उपलब्धियों के लिए याद किया जाएगा। निस्संदेह, कुछ फैसले ऐसे रहे हैं जिन्होंने देश को नई दिशा दी। लोगों को गरिमा व अवसर दिलाने के उद्देश्य से प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, स्वच्छ भारत, पीएम आवास योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं बदलावकारी कही जाती हैं। साथ ही उन लोगों को ह्यअंत्योदय दृष्टिह्ल से प्रेरित होकर लाभ देने की कोशिश हुई, जो असमानता के चलते पीछे छूट गए थे। बड़ी संख्या में जनधन खाते खोले जाने का लाभ विशेष रूप से महिलाओं को मिला। जहां डायरेक्ट बेनिफट ट्रांसफर से जहां लोगों को समय पर मदद मिली, वहीं बिचौलियों पर नकेल कसने से भ्रष्टाचार पर अंकुश भी लगा। मोदी सरकार ने ह्यएक देश, एक करह्ल की सोच को जीएसटी लागू करके हकीकत बनाया। जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री की कुर्सी पर विराजे थे तो उन्होंने उद्घोष किया था कि न ह्यखाऊंगा और न खाने दूंगा।ह्ल यह हकीकत है मानवीय दुर्बलताओं और समाज में लगातार बढ़ती भौतिकवाद की सोच के चलते समाज में भ्रष्टाचार पर अपेक्षित लगाम नहीं लगी, लेकिन उनके कार्यकाल में कोई मंत्री प्रत्यक्ष तौर पर किसी बड़े भ्रष्टाचार में लिप्त नजर नहीं आया। निस्संदेह, खाड़ी संकट के चलते महंगे हुए पेट्रोलियम पदार्थों से महंगाई असर दिखा रही है, लेकिन समय रहते प्रबंधन के चलते वैसे हालात भी नहीं पैदा हुए, जैसे हमारे पड़ोसी देशों में नजर आ रहे हैं। अमेरिका दबाव के बावजूद रणनीतिक ढंग से रूस से सस्ता तेल खरीदकर मोदी सरकार ने जहां देश के आपातकालीन पेट्रोलियम भंडारण को बढ़ाया, वहीं दुर्लभ विदेशी मुद्रा की भी बचत की।

चिंतन-मनन

जीवन का बड़ा सबक

पं. रामनाथ एक छोटी-सी जगह गुरुकुल में छात्रों को पढ़ाते थे। कृष्णनगर के राजा शिवचंद्र को यह पता लगा तो उन्हें बहुत दुख हुआ कि ऐसा महान विद्वान भी गरीबी में रह रहा है। एक दिन वह स्वयं पंडितजी से मिलने उनकी कुटिया में जा पहुंचे और बोले-पंडित जी, मैं आपकी कुछ सहायता करना चाहता हूं। पं. रामनाथ ने कहा-राजन, भगवान की कृपा ने मेरे सारे अभाव मिटा दिए हैं। मुझे अब कोई आवश्यकता नहीं रही। राजा बोले-मैं घर खर्च के बारे में पूछ रहा हूं। हो सकता है उसमें कुछ परेशानी होती हो। उन्हें जवाब मिला-इस बारे में तो गृहस्वामिनी अधिक जानती हैं। आप उन्हीं से पूछ लें।

यह सुनकर राजा गृहिणी के पास जा पहुंचे-माता, आपके घर के खर्च के लिए कोई कमी तो नहीं? गृहिणी का जवाब था- भला सर्व-समर्थ परमेश्वर के रहते उनके भक्तिं को क्या कमी रह सकती है। पहनने को कपड़े हैं। सोने को बिछौना है। पानी रखने के लिए मिट्टी का घड़ा है। भोजन की खातिर विद्यार्थी सीधा ले आते हैं। बाहर खड़ी चौलाई का साग हो जाता है। इससे अधिक की जरूरत भी क्या है? राजा श्रद्धावनत हो गए, फिर भी बोले-हम चाहते हैं कि आपको कुछ गांवों की जागीर प्रदान करें। इससे आपको भी अभाव नहीं रहेगा और गुरुकुल भी ठीक से चलता रहेगा।

राजा की यह बात सुनकर वृद्ध गृहिणी मुस्कराई-देखिए राजन, इस संसार में परमात्मा ने हर मनुष्य को जीवन रूपी जागीर पहले से दे रखी है। जो इसे अच्छी तरह से संभालना सीख लेता है, उसे फिर किसी चीज का अभाव नहीं रह जाता। यह सुनकर राजा शिवचंद्र का मस्तक झुक गया। आज उन्हें एक बड़ा सबक मिल गया था।

नफरत की आंधी में मुहब्बत का दीपक,जलता रहा है जलता रहेगा

निर्मल रानी

दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में गत 3 जून को हुए एक भीषण अग्निकांड की घटना घटित हुई। बताया जाता है कि इस अग्निकांड के परिणाम स्वरूप 21 लोगों की मौत आग से झुलसने या धुएँ में दम घुटने की वजह से हो गयी। कहा जा रहा है कि मृतकों में 9 भारतीय जबकि 12 विदेशी नागरिक थे। इस अग्निकांड में स्थानीय लोगों द्वारा लगभग 49 लोगों को उनकी जान बचाकर सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस अग्निकांड में रियाजुद्दीन नामक एक मुस्लिम गद्दा व्यापारी ने अपनी सूझबूझ,तत्परता व मानवता के चलते अग्निकांड में फंसे लगभग 15 लोगों की जान बचाकर काफी सुर्खियां बटोरीं। घटनास्थल के करीब ही रियाजुद्दीन की गद्दों (मैट्रेस) की दुकान है। रियाजुद्दीन व उनके बेटे ने आग की लपटें बढ़ते ही अपने नफे-नुकसान की परवाह किये बिना अपनी दुकान के सारे गद्दे जलते हुये भवन के ठीक नीचे एक पर एक रखकर बिछा दिये। इनके अतिरिक्त अफजल, मोहम्मद शाहरुख , मोहम्मद अनीस, मोहम्मद आमिर और मोहम्मद वसीम ने भी अपनी जान पर खेल कर लोगों की जान बचाने में मदद की। नतीजतन लगभग 15 प्रभावित लोगों ने जलते हुये भवन की खिड़कियों से उन्हीं गद्दों पर कूद कर अपनी जान बचाई। हालाँकि इस दौरान रियाजुद्दीन के करीब 2 लाख रुपए के गद्दे क्षति ग्रस्त हो गये। आज स्थानीय लोग यह कहने को मजबूर हैं कि रियाजुद्दीन ने फरिश्ता बनकर लोगों की जान बचाई।

रियाजुद्दीन व उनके बेटे के इस समझदारी भरे साहसिक कार्य के लिये उनकी चौतरफा प्रशंसा की जा रही है। लोग उनके गद्दों की क्षतपूर्ति के लिये व उनके साहसिक कार्य के लिये उनसे मिल रहे हैं उन्हें सम्मानित कर रहे हैं यहाँ तक कि उन्हें आर्थिक सहायता दे रहे हैं। उधर रियाजुद्दीन ने उन्हें आर्थिक सहायता देने वालों से पैसे न भेजने की अपील की है। स्थनीय भाजपा विधायक सतीश उपाध्याय ने इनकी तारीफ करते हुये कहा कि आज के जांबाजों को सलाम। हौज रानी, मालवीय नगर में लगी भीषण आग के दौरान इन साहसी नागरिकों ने मदद की और यहां तक कि लोगों को सीपीआर भी दिया। मुझे आप पर बहुत गर्व है। यही इंसानियत है, जो सबसे ऊपर है और सबसे बड़ा धर्म है। निश्चित रूप से यह घटना इंसानियत व धर्म से ऊपर साहस व मानवता की मिसाल बन गई है। एक मुस्लिम व्यापारी ने अपने आर्थिक नुकसान की परवाह किए बिना हिन्दू व अन्य धर्मों के लोगों की जान बचाई, और हिन्दू विधायक व अनेक संस्थाओं ने उसे सम्मान व नकद इनाम दिया।

इसी तरह महाकुंभ 2025 को मौनी अमावस्या पर इलाहाबाद में मची भगदड़ को याद कीजिये जब हजारों हिंदू तीर्थ यात्रियों को मुस्लिम बस्तियों, मस्जिदों और इमामबाड़ों में शरण मिली थी । 28-29 जनवरी 2025 को रात 1-2 बजे के बीच प्रयागराज में संगम नोज और अखाड़ा मार्ग पर मौनी अमावस्या के पावन स्नान पर करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच गए थे जिससे शहर की 90 लाख आबादी में दस गुना भीड़ उमड़ पड़ी थी। इसी बीच रात 1 बजे के पास संगम तट से पहले बने द्वार पर भीड़ इतनी बढ़ गई कि भगदड़ जैसी स्थिति बन गयी। तभी अखाड़ा मार्ग पर लगे बैरिकेड्स को फांदकर कुछ श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गये जिससे वहां अफरातफरी मच गई। क्राउड मैनेजमेंट के लिए रास्ते रोके जाने से लोगों को और भी परेशानी का सामना करना पड़ा। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार इस भगदड़ में 30 लोग हताहत हो गए थे। शहर के रास्तों से अनजान लोग अपनी जान बचाने के लिये कई मुस्लिम बस्तियों में प्रवेश कर गये। उसी बीच सर्दी की रात में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने करुणा और सांप्रदायिक सौहार्द्र की मिसाल पेश कर मानवता का सन्देश दिया था। मुस्लिम लोगों ने भगदड़ के बाद शहर की अनेक मस्जिदों, दरगाहों, इमामबाड़ों व अनेक अल्पसंख्यक संस्थानों में हजारों हिंदू तीर्थयात्रियों को शरण दी और उन्हें परदेस में भी सुरक्षित रहने का एहसास दिलाया। उन्हें जरूरत के अनुसार चाय,नाश्ता,खाना,रजाई,कंबल,दवाइयां आदि मुहैय्या कराई। यह घटना भी सांप्रदायिक सौहार्द्र और इंसानियत की बड़ी मिसाल के रूप में सामने आई जब अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय ने हिंदू तीर्थयात्रियों की मदद कर धार्मिक भावनाओं से ऊपर उठकर मानवता का परिचय दिया।

साम्प्रदायिक सद्भाव पेश करने वाली दिसंबर 2015 की वह घटना भी याद कीजिये जब चेन्नई में आई भयानक बाढ़ में मस्जिदों में हिंदुओं और ईसाइयों को पनाह मिली थी। उन दिनों 1 दिसंबर 2015 से शुरू हुई बारिश एक सप्ताह तक लगातार चली थी।। इसे चेन्नई में 100 वर्षों में सर्वोच्च वर्षा के रूप में रिकॉर्ड किया गया था। बाढ़ का पानी कुछ क्षेत्रों में तो दो मंजिलों तक पहुँच गया था। डैम के गेट खोलने के बाद शहर के कई हिस्से पूरी तरह डूब गए थे। चेन्नई में इसी बाढ़ में 260 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। उस दौरान भी यहाँ की कई मस्जिदों के दरवाजे बाढ़ पीड़ित हिन्दुओं व ईसाईयों के लिये कई हफ़्तों के लिये खुल गये थे। बाढ़ पीड़ितों को मस्जिद में पनाह के साथ साथ रसद व दवाइयां भी मुहैय्या कराई गई थीं। उसी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में प्रसूतावस्था में पीड़ित एक हिन्दू महिला की यूनुस नामक एक मुसलमान ने जान बचाकर उसे अस्पताल तक पहुँचाया। बाद में सुरक्षित डिलेवरी होने पर उस हिन्दू महिला और उसके पति ने अपनी नवजात बच्ची का नाम यूनूस रखा। यह घटना भी धार्मिक सौहार्द और मानवता की एक प्रेरणादायक मिसाल है । इसी तरह 2023 में पंजाब में आई भीषण बाढ़ में मुस्लिम समुदाय ने बिना किसी भेदभाव के सभी प्रभावित लोगों की मदद की थी। जमात-ए-इस्लामी हिंद और जमीयत उलेमा-ए-हिंद जैसी संस्थाओं ने बाढ़ प्रभावितों को राशन, दवाइयां, व कपड़े वितरित किए थे । तमाम मुस्लिम स्वयंसेवकों ने सिख और हिंदू समुदायों के साथ मिलकर बचाव कार्यों में हिस्सा लिया था । यहाँ भी उस समय बाढ़ प्रभावित इलाकों की कुछ मस्जिदों को अस्थायी आश्रय स्थल के रूप में खोला गया था। देशभर के मुसलमान संकट की इस घड़ी में पंजाब के बढ़ प्रभावित लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े दिखाई दिये थे। एक तरफ जहां सत्ता के भूखे भेड़िये देश की सामाजिक एकता को तार तार करने पर तुले हैं वहीं देश भर में साम्प्रदायिक सद्भाव की ऐसी अनगिनत मिसालें भी देखने सुनने को मिलेंगी जब हिन्दुओं ने मुसलमानों की व मुसलमानों ने हिन्दुओं की जान बचाई व संकट की घड़ी में एक दूसरे के साथ खड़े दिखाई दिये। गोया नफरत की आंधी में मुहब्बत का दीपक हमेशा जलता रहा है जलता रहेगा।

बेरोजगारों को ठग रहे हैं गिरोहबंद जालसाज

मनोज कुमार अग्रवाल

आजकल ठग बेरोजगार युवाओं को निशाना बनाने के लिए सोशल मीडिया, व्हाट्सएप और फर्जी वेबसाइटों का सहारा ले रहे हैं.एक ओर देश में बेरोजगारी की समस्या गंभीर होती जा रही है और केंद्र तथा राज्य सरकारों द्वारा रोजगार के नए अवसर सृजित करने के दावे खोखले सिद्ध हो रहे हैं। इसीलिए देश के विभिन्न राज्यों से युवा पलायन करके रोजगार की तलाश में दूसरे देशों को जा रहे हैं और जो विदेश जाने का जुगाड़ नहीं कर पाते उनमें से अनेक नौकरी दिलाने का लालच देकर ठगने वाले गिरोहों का शिकार बन रहे हैं। कई बार देश विदेश तक फैले जालसाजों के गिरोह भोले भाले युवाओं को रोजगार दिलाने का झांसा देकर विदेश भेज देते हैं वहां पहुंचने पर पता चलता है कि ठगे गए लेकिन समझौता करना पड़ता है और बेहद निम्न स्तरीय काम रोजगार कर विदेश से लौटने के लिए कई कई साल वहां फंसकर रह जाते हैं।

ठगी के कुछ मुख्य प्रचलित तरीके पंजीकरण शुल्क नौकरी शुरू करने या इंटरव्यू के नाम पर एडवांस पैसों की मांग करना.फर्जी जॉइनिंग लेटर बड़ी कंपनियों या सरकारी विभागों के नकली सील-सिक्के वाले पत्र थमाना.वर्क फ्रॉम होम / पार्ट-टाइम टास्कघर बैठे लाइक करें या वीडियो देखें जैसे काम देकर शुरू में थोड़ा फायदा दिखाना और बाद में बड़ी रकम निवेश कराकर ठग लेना। आए दिन इस तरह की वारदातों की झड़ी लगी है युवाओं को रोजगार के नाम पर ठगी का शिकार बन जाने पर तमाम कैरियर चौपट हो जाता है परिवार की जमा पूंजी ठग लेकर रफूचककर हो जाते हैं इस तरह बेरोजगारों पर दोहरी मार पड़ जाती है। कुछ वारदातों से समझने का प्रयास करें।

आपको बता दें कि 2 जनवरी को अनूपशहर (उत्तर प्रदेश) के एक युवक अंकित कुमार को गृह मंत्रालय में डाटा एंट्री आप्रेटर की नौकरी दिलाने का लालच देकर उससे 16 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में दिल्ली की एक महिला के विरुद्ध केस दर्ज किया गया। 1 मार्च को नोएडा (उत्तर प्रदेश) में विदेश में ऊंची सैलरी वाली नौकरी दिलवाने का लालच देकर 100 से अधिक लोगों से लगभग 70 लाख रुपयों की ठगी करने वाले 2 जालसाजों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। 13 मार्च को गुरुग्राम में वर्क इंडिया ऐप के जरिए शिस कार्पोरेशन नामक फर्जी कम्पनी बनाकर बेरोजगारों से ट्रेनिंग और वैरीफिकेशन के नाम पर पैसे ऐंठने वाले गिरोह के विरुद्ध एफ. आई.आर. दर्ज की गई। 30 मार्च को ठाणे (महाराष्ट्र) में एक बेरोजगार युवक को रूस में अच्छी नौकरी दिलवाने का लालच देकर उससे 2.92 लाख रुपए ठगने के आरोप में एक महिला सहित 3 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

5 मई को रायपुर (छत्तीसगढ़) ग्रामीण पुलिस ने सरकारी विभागों में नौकरी दिलवाने के नाम पर 34 लोगों से करोड़ों रुपए की वसूली करने वाले एक शिक्षक और क्लर्क को गिरफ्तार किया।28 मई को जबलपुर (मध्य प्रदेश) में नौकरी लगवाने का लालच देकर एक युवक से 1.26 लाख रुपए की ठगी मारने का मामला सामने आया। आरोपी स्वयं को नेताओं का करीबी बताकर लोगों से रुपए वसूलता था।3 जून को खटीमा (उत्तराखंड) में एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दिलवाने का लालच देकर तथा उसे फर्जी नियुक्तिपत्र देकर उससे 21 लाख रुपए ठग लेने के आरोप में पुलिस ने केस दर्ज किया 4 जून को पुणे (महाराष्ट्र) के हिंजवाड़ी फेज-2 स्थित थिंक टैक्नोलॉजी इंडिया नाम की कम्पनी द्वारा सैंकड़ों इंजीनियरिंग ग्रैजुएट्स, फ्रैशर्स और इंटर्स को नौकरी, स्टाइपेंड व स्थायी रोजगार का सपना दिखाकर लाखों रुपए ठग लेने के आरोप में कम्पनी के सी.ई.ओ. हर्षल ठाकरे को गिरफ्तार किया गया जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

5 जून को नोएडा (उत्तर प्रदेश) में होटल मैनेजमैंट के छात्रों को विदेशी क्रूज पर नौकरी दिलाने का लालच देकर 52 लाख रुपयों की ठगी करने का भंडाफोड़ हुआ। ठगों ने सोशल मीडिया विज्ञापनों और फर्जी इंटरव्यू के जरिए छात्रों को जाल में फंसाया था।

5 जून को ही सिरसा (हरियाणा) के नाथूसरी चौपटा गांव में अली मोहम्मद नामक युवक को विदेश में नौकरी दिलवाने का लालच देकर उससे 1.90 लाख रुपए ठगने के आरोप में राजस्थान के एक आरोपी के विरुद्ध पुलिस ने केस दर्ज किया।और अब 6 जून को ग्वालियर (मध्यप्रदेश) के महाराजपुरा में एक तांगा चलाने वाले को नगर निगम में नौकरी दिलवाने का लालच देकर उससे 2.25 लाख रुपए ठग लेने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति के विरुद्ध केस दर्ज किया।ये तो वे चंद वारदातें हैं जो समाचारपत्रों में प्रकाशित हुए हैं। इनके अलावा भी न जाने ऐसे कितने मामले हुए होंगे जिनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है। अतः नौकरी पाने के उतावले पन में नौकरी दिलवाने का दावा करने वाले लोगों की अच्छी तरह पड़ताल करने और काम हो जाने के बाद ही उन्हें पैसे देने चाहिएं।

ऐसे मामले सामने आने के बाद पुलिस को आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

शिकायत कहाँ और कैसे करें?यदि आपके साथ या किसी परिचित के साथ ऐसी ठगी हुई है, तो बिना समय गंवाए नीचे दिए गए कदम उठाएंःसाइबर हेल्पलाइन : तुरंत टोल-फ्री नंबर 1930 डायल करें. यदि वित्तीय धोखाधड़ी के 2 घंटे के भीतर शिकायत की जाए, तो पैसे फ्रीज होने की संभावना बढ़ जाती है.ऑनलाइन शिकायत : गृह मंत्रालय के आधिकारिक पोर्टल साइबर क्राइम पोर्टल पर जाकर पूरी जानकारी, चैट स्क्रीनशॉट और बैंक ट्रांजैक्शन डिटेल्स अपलोड करें.लोकल पुलिस स्टेशन आप अपने नजदीकी थाने या साइबर सेल में जाकर भारतीय न्याय संहिता के तहत धोखाधड़ी की लिखित शिकायत दर्ज करा सकते हैं.बैंक को सूचित करेंः जिस बैंक अकाउंट या यूपीआई से पैसे ट्रांसफर हुए हैं, उस बैंक को तुरंत सूचित कर ट्रांजैक्शन ब्लॉक करने को कहें.ठगी से बचने के जरूरी नियमपैसे कभी न देंः कोई भी असली कंपनी या सरकारी विभाग नौकरी देने के बदले पैसों की मांग नहीं करता है.वेबसाइट की जांच करेंः सरकारी नौकरियों की जानकारी हमेशा सिर्फ ॅ्निप्.ल्ल या ल्लू.ल्ल वाली आधिकारिक वेबसाइटों पर ही देखें.सत्यापन किसी भी अनजान नंबर से आए जॉब ऑफर पर भरोसा करने से पहले उस कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट या लिंक्डइन प्रोफाइल पर जाकर वैकेंसी की पुष्टि करें जरूरत है कि जागरूक बने सावधान रहें सतर्क रहें ऐसा करके ही युवाओं को इस तरह की ठगी से बचाया जा सकता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

फालतू की बकवास मत करो...घटिया निर्माण देख विधायक ने रुकवाया काम

4.16 करोड़ के पशु चिकित्सालय निर्माण में गुणवत्ता पर सवाल, घटिया सामग्री का आरोप, पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को लगाई फटकारय ठेकेदार पर कार्रवाई के निर्देश

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। आसींद रोड पर निर्माणाधीन 4 करोड़ 16 लाख रुपए की लागत वाले बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालय भवन के निर्माण कार्य में कथित गुणवत्ता संबंधी खामियां मिलने पर शाहपुरा विधायक डॉ. लालाराम बैरवा ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण सामग्री और कार्य की गुणवत्ता पर असंतोष जताते हुए उन्होंने मौके पर ही निर्माण कार्य रुकवाने तथा संबंधित ठेकेदार के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान विधायक ने सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिशाषी अभियंता को मौके पर बुलाया और निर्माण कार्य का निरीक्षण कराया। उन्होंने अधिकारियों के समक्ष निर्माण

की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए। विधायक ने कहा कि भवन निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं दिखाई दे रही है और गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विधायक के अनुसार निरीक्षण के दौरान दीवारों की चिनाई इतनी कमजोर मिली कि हाथ लगाने पर ही पत्थर और मसाला टूटकर गिरने लगे। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को यह स्थिति दिखाते हुए कहा कि इस प्रकार का निर्माण भविष्य में गंभीर खतरा बन सकता है। उन्होंने बजरी, गिट्टी और रेत की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए तथा कहा कि उपयोग की जा रही सामग्री अपेक्षित स्तर की नहीं है।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा स्पष्टीकरण देने की कोशिश पर विधायक ने नाराजगी जताई और कहा कि बहाने बनाने के बजाय गुणवत्ता सुधारने पर ध्यान दिया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्माण कार्य तत्काल रोका जाए तथा घटिया सामग्री को हटाकर तकनीकी मानकों के अनुसार दोबारा निर्माण कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जनता के धन से बनने वाले भवनों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

विधायक ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में उपयोग की जा रही मिट्टी आसपास के क्षेत्र से बिना खनिज एवं राजस्व विभाग की अनुमति के लाई जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि इस संबंध में अनियमितता पाई जाती है तो इसकी भी जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। उनका कहना था कि घटिया सामग्री से बने भवन के भविष्य में क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में इसकी जिम्मेदारी तय करना आवश्यक होगा।

डॉ. बैरवा ने संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए कहा कि यदि नियमानुसार कार्रवाई नहीं की गई तो संबंधित विभागीय अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से निर्माण कार्य की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो।

निरीक्षण के दौरान मौजूद स्थानीय नागरिकों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर अपनी शिकायतें विधायक के समक्ष रखीं। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण में शुरू से ही घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। विधायक ने सभी शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

विधायक डॉ. लालाराम बैरवा ने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार विकास कार्यों पर करोड़ों रुपए खर्च कर रही हैं ताकि जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। ऐसे में निर्माण कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता के धन का दुरुपयोग करने वाले किसी भी व्यक्ति, ठेकेदार या एजेंसी को बख्शा नहीं जाएगा तथा निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा कराया जाएगा।

दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग मामले में आरोपी गिरफ्तार

एक साल से महिला को बना रहा था दबाव

स्मार्ट हलचल | बिजौलिया

थाना पुलिस ने विवाहिता से दुष्कर्म कर लंबे समय तक ब्लैकमेलिंग करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और घटनाक्रम से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र के श्यामपुरा निवासी लखन बारेठ को दुष्कर्म एवं ब्लैकमेलिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ एक विवाहिता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। शिकायत में महिला ने आरोप लगाया कि करीब एक वर्ष पूर्व आरोपी उसे तिलस्वा महादेव दर्शन कराने के बहाने अपने साथ ले गया था। इसके बाद वह उसे तिलस्वा स्थित महादेव गेस्ट हाउस लेकर पहुंचा, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया गया। होटल एक पत्रकार का बताया जा रहा है ।

पीड़िता के अनुसार घटना के बाद आरोपी लगातार उसे धमकाकर और ब्लैकमेल कर रुपए की मांग करता रहा। आरोपी और महिला एक-दूसरे

को पहले से जानते थे। इसी परिचय का फायदा उठाकर आरोपी ने उसे अपने झांसे में लिया। महिला ने बताया कि मजदूरी कर जीवनयापन करने के कारण वह लंबे समय तक आरोपी की कथित धमकियों और दबाव के चलते शिकायत दर्ज नहीं करा सकी। आखिरकार हिम्मत जुटाकर उसने पुलिस की शरण ली, जिसके बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं मामले की जांच के दौरान पुलिस टीम ने तिलस्वा स्थित महादेव गेस्ट हाउस पहुंचकर आवश्यक जानकारी जुटाई और संबंधित रिकॉर्ड की भी जांच की। पुलिस का कहना है कि मामले से जुड़े सभी तथ्यों की पड़ताल की जा रही है तथा जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बजरी माफियाओं पर मंगरोप पुलिस का शिकंजा

बनास नदी से दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, अब तक अवैध खनन के 55 प्रकरण दर्ज

स्मार्ट हलचल

मंगरोप। अवैध बजरी खनन के खिलाफ मंगरोप थाना पुलिस की लगातार कार्रवाई से खनन माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है।पुलिस ने गुरुवार सुबह थाना क्षेत्र के सालरिया गांव स्थित बनास नदी में कार्रवाई करते हुए अवैध बजरी खनन में संलिप्त दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए हैं।दोनों वाहनों के खिलाफ मंगरोप थाने में प्रकरण दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।थाना प्रभारी विजय मीणा ने बताया कि सुबह गश्त एवं विशेष निगरानी के दौरान सालरिया क्षेत्र में बनास नदी के पेटे में अवैध रूप से बजरी खनन किए जाने की सूचना मिली थी।सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए खनन कार्य में लगे दो ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर लिया।पुलिस ने वाहनों को कब्जे में लेकर संबंधित

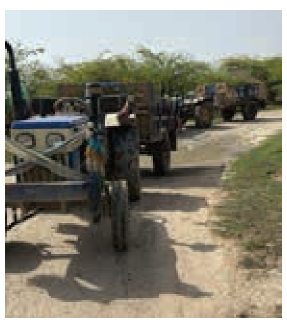

चालकों विरुद्ध नियमानुसार मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।मंगरोप थानाप्रभारी विजय मीणा ने स्पष्ट कहा है कि क्षेत्र में अवैध बजरी खनन और परिवहन के खिलाफ अभियान आगे भी पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा।पुलिस का कहना है कि प्राकृतिक संसाधनों की अवैध लूट किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।गौरतलब है कि जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशों की पालना में मंगरोप थाना अवैध खनन के विरुद्ध जिले में सबसे अधिक कार्रवाई करने वाला थाना बनकर उभरा है।मंगरोप थाने में अब तक अवैध खनन से जुड़े 55 प्रकरण दर्ज किए जा चुके हैं,जो पूरे भीलवाड़ा जिले में सर्वाधिक हैं।लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से अवैध खनन में संलिप्त लोगों में भय का माहौल है,वहीं आमजन पुलिस की सक्रियता और सख्ती की सराहना कर रहे हैं।थाना प्रभारी विजय मीणा ने बताया कि अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए नदी क्षेत्रों में नियमित गश्त,निगरानी और सूचना तंत्र को मजबूत किया गया है।आने वाले दिनों में भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सरकारी राजस्व को होने वाले नुकसान को रोका जा सके।

हमीरगढ़ पुलिस का अवैध खनन पर बड़ा प्रहार

नदी पेटे से बजरी भरते चार ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, चालक मौके से फरार

स्मार्ट हलचल

मंगरोप। अवैध बजरी खनन और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत हमीरगढ़ थाना पुलिस ने बुधवार देर शाम बड़ी कार्रवाई करते हुए चार ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की हैं।पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध खनन से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया।थानाप्रभारी सुनील कुमार बेड़ा ने बताया कि पुलिस टीम नियमित गश्त पर थी।इसी दौरान जवासिया गांव स्थित नदी पेटे में कुछ ट्रैक्टर-ट्रॉली बजरी भरते हुए दिखाई दिए।पुलिस वाहन को मौके पर पहुंचता देख ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए।इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बजरी से भरे चार ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर लिया।पुलिस द्वारा जब्त किए गए सभी वाहनों को थाना परिसर में सुरक्षित खड़ा करवाया गया है।मामले में खनिज एवं खनन

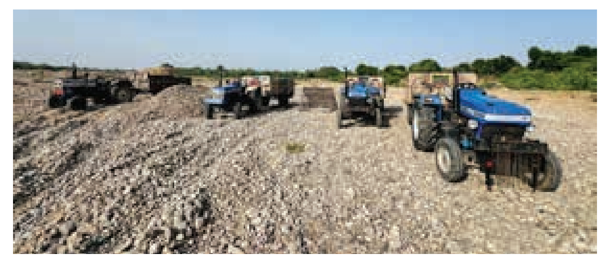

से संबंधित एमएमडीआर के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।फरार चालकों की पहचान के प्रयास भी किए जा रहे हैं।थाना प्रभारी बेड़ा का कहना है कि अवैध बजरी खनन एवं परिवहन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा अवैध खनन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस की यह कार्रवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है।स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि अवैध खनन से नदी क्षेत्रों को नुकसान पहुंचता है। ऐसे में प्रशासन और पुलिस की सख्ती से इस पर प्रभावी रोक लगाने में मदद मिलेगी।हमीरगढ़ थाना पुलिस की इस कार्रवाई को अवैध खनन के खिलाफ चल रही मुहिम की बड़ी सफलता माना जा रहा है,जिससे क्षेत्र में कानून व्यवस्था मजबूत होने के साथ-साथ खनन माफियाओं को भी स्पष्ट संदेश मिला है कि अवैध गतिविधियों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भीलवाड़ा में ट्रैफिक पुलिस का 'महाअभियान'

काले शीशे, बिना नंबर और स्लोगन वाले वाहनों पर कसा शिकंजा

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। शहर में यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करने के लिए यातायात पुलिस ने गुरुवार को विशेष अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। यातायात थाना पुलिस ने थाने के बाहर बैरिकेडिंग कर काले शीशे लगी कारों, बिना नंबर प्लेट संचालित वाहनों तथा वाहनों पर आपत्तिजनक डायलॉग और स्लोगन लिखवाने वालों वाहनों की जांच की।

अभियान के दौरान पुलिस ने संदिग्ध वाहनों की सघन जांच करते हुए यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के चालान बनाए। काले शीशों वाली कारों के शीशों पर लगी फिल्म मौके पर ही हटवाई गई। वहीं बिना नंबर प्लेट संचालित वाहनों के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की गई। यातायात थाना प्रभारी बाबूलाल टेपण ने बताया कि सड़क सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने, वाहनों पर निर्धारित नंबर प्लेट लगाने तथा नियमों के अनुरूप वाहन संचालित करने की अपील की। पुलिस ने चेतावनी दी कि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पूर्व पंचायत समिति सदस्य के पुत्र पर जानलेवा हमला करने के आरोप में फरार 6 अन्य आरोपी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

बनेड़ा। थाना सर्किल के शोभागपुरा तिराहे पर स्थित एक होटल पर चाय पी रहे।पुर्व पंचायत समिति सदस्य के पुत्र पर सरदारनगर पंचायत प्रशासक के पोत्र और अन्य जनो ने लाठियों और सरियो से अचानक हमला बोल दिया। साथ ही बिच बचाव में आए लोगों के साथ भी हमलावरों ने मारपीट की। हमले के बाद से फरार चल रहे आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया ।

करीब चार माह पहले सरदारनगर ग्राम पंचायत द्वारा गाव में महाराणा प्रताप की मुर्ति के निर्माण हैतु कार्य शुरू किया था। जिसका कार्य पुरा होने से पहले ही प्रार्थी पक्ष और आरोपी पक्ष के आपस में कहासुनी हो गई थी। उसके बाद मुर्ति निर्माण पर कोर्ट से रोक लगी होने के साथ ही मुर्ति निर्माण को लेकर के दोनों पक्षों में रंजिश चल रही थी। रंजिश के कारण ही 31 मई की दोपहर को शोभागपुरा तिराहे पर स्थित एक होटल पर अपने मिलने वालो के साथ बैठ कर के चाय पी रहे सत्यनारायण पिता रामलाल तेली पर अचानक लोहे के पाइप उस पर हमला बोल दिया। जिसके कारण तेली के गंभीर चोटें आई थी। घटना के बाद फरार चल रहे आरोपियों मुख्तियार अहमद पिता शकुर मोहम्मद अर्जुन पिता मोहन चौधरी करण पिता मोहन चौधरी कैलाश पिता जमना लाल माली धीरज पिता भंवर लाल जाट तथा सुनिल पिता लादूलाल माली निवासी सरदारनगर थाना बनेड़ा को गिरफ्तार कर के गुरूवार को न्यायालय में पेश किया । जिन्हें जेल भेज दिया गया।

हमलावरों को गिरफ्तार करने वाली टीम मे थाना प्रभारी राजुराम काला. हेडकास्टेबल गिरधारी राम सुभाष सिंह. कांस्टेबल अजय सिंह मुकेश कुमार देवराज मनोज कुमार तथा देशराज थाना बनेड़ा शामिल थे।

संत नामदेव जी की भक्ति से मिली सदाचार और सत्संग की प्रेरणा

भक्तमाल कथा के तृतीय दिवस उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, भजनों पर झूमे भक्त

स्मार्ट हलचल

आकोला। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर बरूदनी के रामद्वारे में आयोजित सात दिवसीय भक्तमाल कथा के तृतीय दिवस संत शिरोमणि नामदेव महाराज के जीवन चरित्र का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति रस का आनंद लेते हुए संतों के आदर्श जीवन से प्रेरणा ग्रहण की। कथा स्थल पर बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे तथा पूरे वातावरण में भक्ति और श्रद्धा की सरिता प्रवाहित होती रही।

कार्यक्रम के मुख्य यजमान रामनारायण , कृष्ण गोपाल , बनवारीलाल एवं केसरीमल सोमानी परिवार रहे। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर कथा का शुभारंभ किया। कथा वाचक पूज्य गुरुदेव ने संत नामदेव महाराज के जीवन के विभिन्न प्रेरणादायक प्रसंगों का वर्णन करते हुए बताया कि सच्ची भक्ति में अहंकार का कोई स्थान नहीं होता। भगवान के प्रति पूर्ण समर्पण, निष्काम सेवा और नाम स्मरण ही जीवन को सफल बनाते हैं।

कथा के दौरान उन्होंने कहा कि सत्संग का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य के मन में व्याप्त बुराइयों, कुसंस्कारों और नकारात्मक विचारों को समाप्त कर उसे धर्म एवं सदाचार के मार्ग पर अग्रसर

करना है। राम नाम का निरंतर भजन मनुष्य को मानसिक शांति प्रदान करता है तथा जीवन में आने वाली अनेक समस्याओं का समाधान भी बनता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से कुसंगति से दूर रहने तथा सत्संग और भक्ति को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया।

कथा वाचक ने महाभारत के प्रसंगों का उदाहरण देते हुए बताया कि अच्छे और बुरे कर्मों का फल मनुष्य को अवश्य प्राप्त होता है। धर्म, सत्य और सदाचार का मार्ग कठिन अवश्य हो सकता है, लेकिन अंततः विजय उसी की होती है जो ईश्वर पर विश्वास रखते हुए धर्म के मार्ग पर चलता है।

इस अवसर पर भजन कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भक्ति गीतों की मधुर स्वर लहरियों पर श्रद्धालु झूम उठे और पूरा कथा पंडाल भगवान के जयकारों से गुंजायमान हो गया। श्रद्धालुओं ने देर रात तक कथा एवं भजनों का रसपान किया।

कथा में शैतान सिंह शक्तावत, हरक नाराणीवाल, रतनलाल आशावा, रामनारायण सोमानी, अनिल व्यास, मनोज गट्टाणी, सत्यनारायण लाखकार, माधुलाल कीर, माहेश्वरी महिला मंडल सहित गांव के अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में महाआरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया।

स्कॉर्पियो से 60 लाख रुपये कीमत का डोडा चूरा बरामद

तस्करों ने पुलिस पर पत्थरबाजी की, पुलिस ने पीछा कर वाहन को पकड़ा

स्मार्ट हलचल

आसींद। भीलवाड़ा जिले के शंभूगढ़ थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 60 लाख रुपये कीमत का 384 किलो 500 ग्राम डोडा चूरा बरामद किया है।

पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त एक स्कॉर्पियो वाहन को भी जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शंभूगढ़ थाना पुलिस को संदिग्ध स्कॉर्पियो वाहन की सूचना मिली थी। पुलिस ने वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने वाहन को तेज गति से भगाने की कोशिश की। तस्करों ने पीछा कर रही पुलिस टीम पर पत्थरबाजी कर वाहन रोकने से बचने का प्रयास किया। इसके बावजूद पुलिस ने साहस और सतर्कता का परिचय देते हुए वाहन का पीछा जारी रखा। करीब 20 प्लास्टिक कट्टों में भरा हुआ 384.500 किलोग्राम डोडा चूरा बरामद कर लिया।

सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि तस्करी में इस्तेमाल की जा रही स्कॉर्पियो पर राजस्थान के विभिन्न जिलों की कुल आठ अलग-अलग नंबर प्लेटें मिलीं। इसके अलावा वाहन से पुलिस और आमजन में भय पैदा करने के लिए उपयोग किए जाने वाले सात जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं।बपुलिस के अनुसार बरामद डोडा चूरा की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 60 लाख रुपये आंकी गई है। मामले में एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश और आगे की जांच जारी है।वोशंभूगढ़ थाना पुलिस की इस कार्रवाई को मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है।

पेयजल संकटः आसींद पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर एक के तीन गांवों में त्राहि-त्राहि, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल

आसींद। नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर एक में पेयजल संकट गहरा गया है। क्षेत्र के तीन गांवों–आमली खेड़ा, राजपुरा और अर्जुनपुरा की झोपड़ियां–के ग्रामीणों को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। हालात इतने बदतर हैं कि लोग निजी टैंकर मंगवाकर अपनी जलापूर्ति करने को मजबूर हैं। प्रशासन की अनदेखी से नाराज ग्रामीणों और महिलाओं ने जल संकट को लेकर उग्र विरोध प्रदर्शन किया और व्यवस्था नहीं सुधरने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

ठेकेदार की लापरवाहीः एक साल से अधूरी पड़ी है पानी की टंकी

आमली खेड़ा गांव के निवासी गणेश महाराज ने बताया कि ग्रामीणों को सुचारू

रूप से पानी मिल सके, इसके लिए एक वर्ष पूर्व यहाँ एक पानी की टंकी का निर्माण कार्य शुरू करवाया गया था। लेकिन ठेकेदार की घोर लापरवाही के चलते आज तक इसका निर्माण पूर्ण नहीं हो सका है। टंकी का ढांचा अधूरा पड़े होने के कारण तीनों गांवों की जलापूर्ति व्यवस्था ठप है।

मटमैला पानी पीने को मजबूर, बीमारी का अंदेशा

वहीं, राजपुरा की झोपड़ियां की ग्रामीण

महिलाओं ने अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि गांव में सालों से ट्यूबवेल नकारा (खराब) पड़ा हुआ है। पूरे गांव में पानी का एकमात्र सहारा सिर्फ एक हैंडपंप है। महिलाओं का कहना हैः 'इस हैंडपंप से भी काठ युक्त और मटमैला पानी निकल रहा है, जिसे मजबूरी में पीना पड़ रहा है। इस दूषित पानी से गांव में बीमारी फैलने का अंदेशा बना हुआ है।' गाँव में बनी पनघट योजना भी पूरी तरह नकारा साबित हो रही है। एकमात्र हैंडपंप होने के कारण दिनभर वहां पानी भरने के लिए महिलाओं की भारी भीड़ और कतारें लगी रहती हैं।

आंदोलन की चेतावनी

पेजल किल्लत से आक्रोशित महिलाओं और ग्रामीणों ने मौके पर खाली बर्तन लेकर प्रदर्शन किया। उन्होंने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है किः अधूरी पड़ी पानी की टंकी का निर्माण शीघ्र पूरा करवाया जाए। खराब पड़े ट्यूबवेल को तुरंत ठीक कर चालू किया जाए। ग्रामीणों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि नगर पालिका प्रशासन ने जल्द ही पेयजल की सुचारू व्यवस्था नहीं की, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

राजेश पायलट के जीवन दर्शन से युवा पीढ़ी प्रेरणा लेकर आगे बढ़े : जिलाध्यक्ष भड़ाना

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं किसान नेता राजेश पायलट की 26वीं पुण्यतिथि भीलवाड़ा शहर के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित राजेश पायलट स्मारक पर श्रद्धाभाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के जिलाध्यक्ष राधेश्याम भड़ाना के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने स्मारक स्थल पर साफ सफाई कर श्रमदान किया तथा राजेश पायलट की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने राजेश पायलट के संघर्षपूर्ण जीवन, राष्ट्रसेवा, किसान हितों के लिए किए गए कार्यों तथा उनके प्रेरणादायी व्यक्तित्व को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के प्रदेशाध्यक्ष रामप्रसाद धाभाई ने कहा कि राजेश पायलट का जीवन समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित रहा।

युवा पीढ़ी को उनके संघर्ष, सादगी और जनसेवा से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा भीलवाड़ा के जिलाध्यक्ष राधेश्याम भड़ाना ने अपने संबोधन में कहा कि सर्व समाज की युवा पीढ़ी को राजेश पायलट के जीवन दर्शन एवं संघर्षों से प्रेरणा लेकर उनके सपनों को साकार करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के बेटे-बेटियां उच्च शिक्षा प्राप्त कर प्रशासनिक, न्यायिक, राजनीतिक एवं अन्य महत्वपूर्ण पदों तक पहुंचें, जहां से देश की नीतियों के निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। शिक्षा, किसान, युवा और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में कार्य करना ही राजेश पायलट को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर नगर निगम पार्षद जगदीश गुर्जर, एडवोकेट नरेन्द्र गुर्जर, नन्दलाल गुर्जर, श्यामलाल गुर्जर, नारायण सिंह गुर्जर, प्रकाश गुर्जर, राजूलाल गुर्जर, जमनालाल गुर्जर, शंभूलाल गुर्जर, ओमप्रकाश गुर्जर, रतनलाल गुर्जर, भगवानलाल गुर्जर, मांगीलाल गुर्जर, रतनलाल गाडरी, वृद्धिचंद प्रजापति, भंवरलाल गुर्जर, अशोक पारीक, कैलाश गाडरी, अमर सिंह, श्याम सिंह, पन्नालाल गुर्जर, हीरालाल गुर्जर, राधाकिशन गुर्जर, किशन गुर्जर, श्रवण सिंह, गोपाल गुर्जर सहित बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित रहे।

पैंथर ने किया दो बछड़ों का शिकार

आबादी क्षेत्र में घुसा पैंथर अलग अलग, बाड़े में बंधे गाय के बछड़े का किया शिकार

स्मार्ट हलचल

गुरला। भीलवाड़ा जिले के ग्राम पंचायत गुंदली के दादिया गांव में बीती बुधवार रात को पैंथर ने अलग-अलग दो बाड़े में बंधे गाय कें दो बछड़े का शिकार कर लिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार दादीया निवासी सत्यनारायण वैष्णव सुरेश जाट के बाड़े के आंगन में गाये व उसका बछड़ा बंधा हुआ था।

इसी दौरान रात बुधवार की रात पैंथर ने दो बछड़े पर हमला कर दिया, इधर गाय के रंभाने की आवाज पर परिवार के लोग जाग गए। बिजली चालू करने के साथ ही पैंथर मौके से भाग निकला। पैंथर के हमले से बछड़े की मौत हो गई। गुरुवार को सुबह वन विभाग के कार्मिकों को सूचना दी गई। क्षेत्र में बढ़ते वन्य जीवो के चलते ग्रामीणों ने भय का माहौल बना हुआ है। इससे पूर्व भी पैंथर ने तीन से चार मवेशियों का शिकार कर चुका है।

शहरी सेवा शिविरों में होगा जन समस्याओं का समाधान

स्मार्ट हलचल | बनेड़ा

स्वायत शासन विभाग द्वारा प्रदेश में 12 से 15 जुलाई तक शहरी सेवा शिविरों का आयोजन किया जाऐगा। नगरपालिका परिसर में आयोजित होने वाले इन शिविरों में नगरीय सेवाओ के साथ ही आमजन की समस्याओं को समाधान किया जाएगा।

नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी प्रकाश चन्द्र तेली ने बताया कि शहरी सेवा शिविर के दौरान अनुमोदित योजनाओं के पट्टे एवं धारा 69 ए के पट्टे उपविभाजन /भू उपयोग परिवर्तन कृषि भूमि रूपांतरण नामांतरण /खाता भूमि आंवटन भवन निर्माण स्वीकृति शहर के सोन्दर्यीकरण व साफ सफाई वर्षा पुर्व नालों की सफ़ाई स्ट्रीट लाइट व शहरी आधारभूत सुविधाओं से संबंधित कार्य पेंशन राशन कार्ड से सम्बन्धित प्रकरणों का निस्तारण किया जाएगा। साथ ही स्वायत शासन विभाग विभिन्न योजनाओं / सेवाओ के आवेदन लिए जाएगे। इससे पूर्व बुधवार को उपखण्ड बाबूलाल ने सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी की बैठक लेकर के शिविर के सफल आयोजन को लेकर के आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए।

अखिल भारतीय सर्व ब्राह्मण महासभा की सहाड़ा तहसील कार्यकारिणी का गठन, पदाधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारियां

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। अखिल भारतीय सर्व ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज शर्मा एवं प्रदेश महामंत्री बृजेश पारीक के निर्देशानुसार तथा जिला अध्यक्ष शंभू पारीक एवं जिला उपाध्यक्ष जुगनू तिवारी की अनुशंसा पर तहसील अध्यक्ष मुकुल पंचोली ने सहाड़ा तहसील कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए नई नियुक्तियों की घोषणा की।

तहसील अध्यक्ष मुकुल पंचोली ने बताया कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने एवं समाजहित के कार्यों को गति प्रदान करने के उद्देश्य से सक्रिय एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को विभिन्न दायित्व सौंपे गए हैं। नई कार्यकारिणी में अरविन्द दाधीच, शिवलाल सुखवाल, गोवर्धनलाल शर्मा एवं कमलकांत शर्मा को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं अविनाश व्यास को कोषाध्यक्ष, अंशुल सुखवाल को सचिव, दिलीप उपाध्याय को संगठन मंत्री तथा जय उपाध्याय को सदस्यता प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष मनोज शर्मा एवं जयदीप त्रिवेदी ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। जिला उपाध्यक्ष जुगनू तिवारी एवं तहसील अध्यक्ष मुकुल पंचोली ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम के गठन से सहाड़ा क्षेत्र में संगठन को नई मजबूती एवं गति मिलेगी।

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए समाजहित, संगठन विस्तार एवं विप्र समाज की एकता के लिए पूर्ण निष्ठा एवं सक्रियता के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

बैठक के दौरान 28 जून 2026 को भीलवाड़ा में आयोजित होने वाले युवक-युवती परिचय सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। साथ ही समाजबंधुओं से अधिकाधिक संख्या में सम्मेलन में सहभागिता करने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम में प्रवीण शर्मा, मनोज शर्मा, जयदीप त्रिवेदी, श्यामसुंदर व्यास, ऋषि शर्मा, गोपाल पारीक, सुशील व्यास, मुकेश पारीक, संजय व्यास, रमेश जोशी, जुगनू तिवारी, कला व्यास, प्रेमशंकर व्यास, ओमप्रकाश उपाध्याय एवं दिलीप तिवारी सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे।

श्रीनृसिंहद्वारा में आयोजित श्री मद भागवत कथा के चौथे दिन श्रद्धालुओं की रही भीड़

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। श्री 1008 श्री ब्रह्मलीन स्वर्गीय रामदास जी महाराज की स्मृति में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर चित्रकूट वाले स्वामी मुक्तानंद सरस्वती महाराज द्वारा संगीतमय भागवत कथा का रसास्वादन किया जा रहा है। आज की कथा में जड़ भरत की भक्ति, अजामिल का उद्धार, भक्त प्रहलाद चरित्र, हिरण्यकश्यप का भगवान श्री नृसिंह रूप में अवतार द्वारा संहार , वराह अवतार, वामन अवतार, श्री राम अवतार की कथा सुनाई। श्री कृष्ण जन्मोत्सव की जीवंत झांकी सजाई गई ।महिलाओं ने बधाई गीत पर नृत्य किया। इस अवसर पर संत श्यामदास महाराज,गोपालदास महाराज,मालमराम महाराज की गरिमामई उपस्थिति के साथ बिजोलिया एवं आसपास के ग्रामीण भी धर्म लाभ लेने पहुंचे।

12 जून से लगेंगे शहरी सेवा शिविर, आमजन को मिलेगी राहत

लीज, पट्टा, भूमि नियमन सहित विभिन्न मामलों का होगा मौके पर निस्तारण

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। नगर निगम भीलवाड़ा द्वारा राज्य सरकार के निर्देशानुसार 12 जून से 15 जुलाई तक शहरी सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। आयुक्त हेमाराम चौधरी ने बताया कि निगम कार्यालय के मीटिंग हॉल में आयोजित होने वाले इन शिविरों में आमजन से जुड़े विभिन्न प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किया जाएगा।

शिविरों में लीज राशि में छूट, धारा 69-ए के तहत पट्टे जारी करना, कब्जाशुदा भूमि का नियमन, लघु अवधि लीज संपत्तियों को फ्रीहोल्ड करना तथा डी-नोटिफाइड कच्ची बस्तियों के नियमन जैसे कार्यों में राज्य सरकार द्वारा दी गई रियायतों का लाभ दिया जाएगा।

इसके साथ ही शहर में नालों की सफाई, पेचवर्क, सिविल मरम्मत और फेरो कवर लगाने जैसे विकास कार्य भी अभियान के दौरान किए जाएंगे। प्रशासन ने नागरिकों से शिविरों का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की है।

एंबुलेंस खुद है बीमार मरीजों की जान से होता है खिलवाड़

स्मार्ट हलचल

हिंडौन। बिना सुविधाओं के एम्बुलेंस मे मरीजों की जान से होता है खिलवाड़ जहां सरकार चिकित्सा सुविधा को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रही है वही गुरुवार को हिंडौन सिटी गवर्नमेंट हॉस्पिटल के आईसीयू से एक हार्ड के पेशेंट को जयपुर रेफर किया एंबुलेंस को कॉल किया तो 20 मिनट देरी से आई अंदर पेशेंट को लिटाया अंदर देखा पंखा बंद था, ऑक्सीजन नली खराब थी, ऐसी बंद था, स्टेचर टूटा हुआ, वह एक एंबुलेंस पर दो नंबर प्लेट थी बिना सुविधा के एंबुलेंस में पेशेंट की हालत बिगड़ने लगी एंबुलेंस स्टाफ ने दूसरे एंबुलेंस से बुलाने की कहकर आधा घंटा फिर लेट कर दिया परिजनों ने तत्काल निजी एंबुलेंस करके पेशेंट को जयपुर पहुंचाया।

विधायक देवीसिंह शेखावत ने सुनी जनता की फरियाद, दिए निर्देश

स्मार्ट हलचल

बानसूर। क्षेत्रीय विधायक देवीसिंह शेखावत ने गुरुवार को ज्ञानपुरा स्थित अपने आवास पर जनसुनवाई कर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न गांवों से पहुंचे लोगों ने बिजली, पेयजल, सड़क, राजस्व और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं रखीं तथा उनके शीघ्र समाधान की मांग की। विधायक शेखावत ने एक-एक फरियादी की बात सुनकर संबंधित विभागों के अधिकारियों से संपर्क किया और समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को आमजन के कार्य प्राथमिकता से करने और विकास कार्यों में लापरवाही नहीं बरतने के लिए कहा। इस दौरान विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

रेगर समाज संस्थान का द्वितीय प्रतिभावान सम्मान समारोह आयोजित

41 प्रतिभाओं का सम्मान

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। रेगर समाज संस्थान गंगापुर के तत्वावधान में द्वितीय प्रतिभावान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं एवं 12वीं में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 39 विद्यार्थियों तथा राजकीय सेवा में चयनित दो प्रतिभाओं का तिलक, माल्यार्पण, उपरणा, साफा, शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में हाल ही में राजस्थान प्रशासनिक सेवा में चयनित पवन कुमार रेगर एवं आयुर्वेद विभाग में नर्स कंपाउंडर पद पर चयनित शारदा रेगर का विशेष सम्मान किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त शिक्षाविद् सुखलाल बडारिया थे, जबकि अध्यक्षता बिहारी दास ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्थान अध्यक्ष कैलाश चंद्र फुलवारिया, उपाध्यक्ष नंगजीराम शेरसिया, नारूलाल बडारिया, गणपतलाल बडारिया एवं मोहनलाल शेरसिया उपस्थित रहे। अतिथियों ने लोक देवता बाबा रामदेवजी एवं भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्य अतिथि सुखलाल बडारिया ने अपने संबोधन में बाबा साहब के संदेश 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। वहीं आरएएस अधिकारी पवन कुमार रेगर ने युवाओं को निरंतर मेहनत और सही दिशा में प्रयास करते हुए लक्ष्य प्राप्त करने की प्रेरणा दी।

अतिथियों ने कहा कि समाज में शिक्षा और प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए ऐसे आयोजन समय-समय पर होते रहने चाहिए। कार्यक्रम में नीरु एंड पार्टी द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं।

इस अवसर पर किशनलाल सुखरिया, शंकरलाल शेरसिया, गोपाललाल बासीवाल, उदयलाल शेरसिया, राधाकिशन शेरसिया, चतरुलाल तगाया, राजकुमार तगाया, नारायणलाल खटुंबरिया, गोपाललाल बालेटिया, हीरालाल खटुंबरिया सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुरेश चंद्र बासीवाल ने किया।

आत्मा योजनान्तर्गत खरीफ पूर्व कृषक गोष्ठी का आयोजन

स्मार्ट हलचल | बनेड़ा

उपखण्ड सर्किल की खेडलिया ग्राम पंचायत खेड़लिया के दोलतपुरा गांव में गुरुवार को कृषि विभाग द्वारा 'आत्मा योजनान्तर्गत खरीफ पूर्व कृषक गोष्ठी 2026' का आयोजन विधायक डॉ. लालाराम बैरवा ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता करते हुए क्षेत्र के किसानों से संवाद किया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफलतम 12 वर्षों के कार्यकाल के उपलक्ष्य में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों एवं किसान हितैषी योजनाओं पर भी चर्चा की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. बैरवा ने कहा कि किसान देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं तथा उनकी समृद्धि ही प्रदेश की प्रगति का आधार है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि उत्पादन में वृद्धि करने तथा आधुनिक तकनीकों को खेत तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने किसानों से सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों से अपील की। गोष्ठी में कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कृषि विशेषज्ञों द्वारा किसानों को खरीफ फसलों की उन्नत खेती, प्रमाणित एवं उन्नत बीजों के उपयोग, फसल प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, जल संरक्षण तकनीकों, प्राकृतिक एवं जैविक खेती तथा कृषि यंत्रीकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं। विशेषज्ञों ने किसानों को मौसम आधारित खेती अपनाने एवं नवीन कृषि तकनीकों का उपयोग कर उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान किसानों ने अपनी समस्याओं, सुझावों एवं कृषि संबंधी जिज्ञासाओं को विधायक के समक्ष रखा।डॉ. बैरवा ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए तथा किसानों को हर संभव सहयोग का विश्वास दिलाया। साथ ही विधायक ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, कृषि अवसंरचना के विकास, आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रसार एवं किसान हितैषी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से कृषि क्षेत्र को और अधिक सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सतत कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में जिला वालीवाल संघ के अध्यक्ष लक्ष्मी लाल सोनी, राजमल माली, कैलाश माली, भैरू लाल लक्षकार, जीवन बैरवा, मीना कुमारी व कृषि विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, कृषि पर्यवेक्षक, प्रगतिशील किसान एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

मंत्रालयिक कर्मचारियों ने की पेन डाउन हड़ताल

स्मार्ट हलचल | बनेड़ा

पंचायती राज विभाग के मंत्रालयिक कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मार्गो को लेकर के गुरूवार को दोपहर से पेन डाऊन हड़ताल पर रहने से पंचायत समिति मे कार्य बाधित हुए । हड़ताल में रहने वालो मे अध्यक्ष विजेंद्र सिंह अमीष व्यास महावीर प्रसाद गुर्जर पहलाद राय सुधार इस्लाम मोहम्मद संदीप कुमार जोशी संतोष छिपा पप्पू नायक राकेश सेन अन्य सभी मंत्रालय मंत्रालय कर्मचारी गण उपस्थित थे।

वॉलीबॉल शूटिंग में टीम आरकेआरसी पंचमुखी विजेता, शास्त्रीनगर टीम उपविजेता

महेश नवमी महोत्सव:वॉलीबॉल शूटिंग प्रतियोगिता का भव्य समापन, खिलाड़ियों को किया सम्मानित

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। श्री नगर माहेश्वरी सभा, भीलवाड़ा के तत्वावधान एवं आरकेआरसी व्यास नगर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा द्वारा महेश नवमी महोत्सव 2026 के अंतर्गत प्रायोजित वॉलीबॉल शूटिंग प्रतियोगिता का महेश पब्लिक स्कूल परिसर में उत्साहपूर्ण माहौल के बीच भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता में कृष्ण गोपाल सोडाणी, रामपाल असावा, कमलेश लाठी, रूपलाल गगरानी, अनुज समदानी, मुकेश बहेड़िया, प्रशांत समदानी, दिलीप कोगटा, नरेन्द्र डाड, पंकज समदानी, दिनेश राठी सीए अंकित लखोटिया, अरुण बियाणी ने व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतियोगिता के अंतिम दिन खेले गए मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। संयोजक अतुल राठी व नगर अध्यक्ष केदार जागेटिया ने बताया की आरकेआरसी पंचमुखी ने शास्त्रीनगर को फाइनल के कड़े मुकाबले में परास्त करके विजय हासिल की। विजेता रही आरकेआरसी पंचमुखी को 21 हजार नगद, ट्रॉफी एवं प्रत्येक खिलाड़ी को डेस दी गई तथा उपविजेता शास्त्रीनगर टीम को 11 हजार नगद, ट्रॉफी एवं प्रत्येक खिलाड़ी को डेस दी गई तथा तृतीय स्थान पर रही पथिक नगर टाइटन को 7100 रुपए नगद, ट्रॉफी एवं प्रत्येक खिलाड़ी को डेस दी गई। प्रभारी कमलेश लाठी व मिडिया प्रभारी पंकज पोरवाल ने बताया की समापन समारोह में योगेश लढा, राधेश्याम चेचाणी, कैलाश कोठारी, प्रहलाद लढ़ा, अनिल बांगड, ओम नरानीवाल राजेन्द्र कचोलिया, सत्येन्द्र बिरला, सुरेश कचोलिया, प्रदीप बल्दवा, राघव कोठारी, प्रदीप पलोड़, केदार गगरानी, सुरेश बिरला, केजी राठी, अर्चित मूंदड़ा, गोपाल नरानीवाल, मनोहर अजमेरा, अभिजीत सारडा सहित समाज के गणमान्यजन, खेल प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थिति रहे। फाइनल मुकाबला रोमांचक वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें दोनों टीमों ने जीत के लिए कड़ा संघर्ष किया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों ने अनुशासन, खेल भावना एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया। प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को शुभम कोगटा को 'बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' सम्मान से नवाजा गया। समारोह को संबोधित करते हुए योगेश लढा ने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं युवाओं में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, टीम भावना एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करती हैं। समाज में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए ऐसे आयोजनों का नियमित आयोजन आवश्यक है। उन्होंने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए सभी खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

प्रेम नगर-रेलवे स्टेशन मार्ग बाई पास रोड़ पर जर्जर नाला, सकड़ी सड़क हादसे का भय, राहगीरों में रोष

स्मार्ट हलचल

हमीरगढ़। प्रेम नगर से रेलवे स्टेशन एवं तहसील जाने वाले मुख्य मार्ग पर महावीर कॉलोनी के समीप स्थित नाले की जर्जर हालत और सड़क की कम चौड़ाई आमजन के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। मार्ग के दोनों ओर नाला होने तथा सड़क संकरी होने के कारण एक समय में दो वाहन सुरक्षित रूप से नहीं निकल पाते, जिससे हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों के अनुसार नाले का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो चुका है तथा उसकी दीवारें भी जगह-जगह से टूट चुकी हैं।

बरसात के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। आमने-सामने वाहन आने पर चालकों को काफी मशक्कत करनी पड़ती है, जिससे हादसे का खतरा बढ़ जाता है। स्थानीय निवासी दयाशंकर जोशी ने बताया कि इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग रेलवे स्टेशन, तहसील कार्यालय, पुलिस थाना तथा आसपास के क्षेत्रों में आवागमन करते हैं, लेकिन लंबे समय से क्षतिग्रस्त नाले और संकरी सड़क की समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि नाले के आसपास नियमित सफाई नहीं होने से झाड़ियां उग आई हैं, जिससे आवारा पशुओं और जहरीले जीव-जंतुओं का भी खतरा बना रहता है।क्षेत्रवासियों ने प्रशासन एवं संबंधित विभाग से मांग की है कि नाले की शीघ्र मरम्मत कर सड़क का चौड़ीकरण कराया जाए अथवा दोनों ओर मिट्टी भराव करवाया जाए, ताकि वाहन नाले में उतरने से बच सकें। साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से मजबूत रेलिंग लगाने की भी मांग की गई है, जिससे भविष्य में किसी बड़े हादसे को रोका जा सके।

राजस्थान पुलिस का मेगा ट्रैफिक अभियान चरम पर

एक ही दिन में 9,703 वाहनों पर कार्रवाई, काली फिल्म, फर्जी नंबर प्लेट और अवैध हूटर-बत्तियों पर चला कानून का डंडा

स्मार्ट हलचल | जयपुर

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार राजस्थान पुलिस द्वारा प्रदेशभर में चलाए जा रहे विशेष यातायात प्रवर्तन अभियान ने अब और अधिक गति पकड़ ली है। अभियान के दौरान यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों, अवैध रूप से वाहनों में मॉडिफिकेशन कराने वालों तथा हूटर-बत्ती और काली फिल्म लगाकर रौब गांठने वालों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। अभियान के दसवें दिन को पूरे प्रदेश में विशेष नाकेबंदी एवं प्रवर्तन अभियान के दौरान कुल 9,703 वाहनों के विरुद्ध चालान, जब्ती एवं अन्य विधिक कार्रवाई की गई।

डीजी ट्रैफिक अनिल पालीवाल के पर्यवेक्षण में चल रहे इस अभियान के संबंध में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (यातायात) डॉ. बी. एल. मीणा ने बताया कि अभियान के दसवें दिन हुई कार्रवाई में सर्वाधिक 3,638 वाहनों के शीशों पर नियम विरुद्ध लगाई गई काली फिल्म (ब्लैक फिल्म) के मामलों में कार्रवाई की गई। इसके अलावा 2,450 वाहनों पर नियम विरुद्ध नंबर प्लेट एवं पंजीयन चिन्ह पाए गए, जबकि 1,373 वाहनों पर अनाधिकृत शब्द, चिन्ह एवं लेखन अंकित होने के कारण उनके विरुद्ध कार्यवाही की गई। अभियान के दौरान वाहन की संरचना (बॉडी/चेसिस) में अवैध परिवर्तन करने वाले 945 वाहनों को भी चिन्हित कर कानूनी कार्रवाई की गई। इसी प्रकार 800 वाहनों पर अनाधिकृत लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर, स्ट्रोब लाइट एवं हूटर

लगे पाए गए, जबकि 497 वाहनों में प्रेशर हॉर्न एवं एयर हॉर्न का उपयोग करने पर चालान एवं अन्य विधिक कार्यवाही अमल में लाई गई।

अभियान के दौरान सामने आया कि बड़ी संख्या में वाहन चालक अब भी सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की अवहेलना करते हुए वाहनों के शीशों पर काली फिल्म लगा रहे हैं। ऐसे 3,638 वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। इसके अलावा 2,450 वाहनों पर नियम विरुद्ध नंबर प्लेट अथवा पंजीयन चिन्ह पाए जाने पर चालान एवं अन्य कानूनी कार्रवाई की गई।

अवैध हूटर-बत्तियों पर भी सख्त कार्रवाई

पुलिस ने आमजन में भय एवं प्रभाव पैदा करने के उद्देश्य से वाहनों पर लगाई गई अनाधिकृत लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर, स्ट्रोब लाइट और हूटर के खिलाफ भी अभियान चलाया, जिसके तहत 800 वाहनों पर कार्रवाई की गई। वहीं ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले 497 प्रेशर हॉर्न और एयर हॉर्न भी जब्त किए गए।

रौब दिखाने वालों को नहीं मिलेगी छूट

डॉ. मीणा ने कहा कि वाहन पर जाति, पद, संगठन अथवा अन्य अनाधिकृत शब्द लिखना, अवैध हूटर-बत्ती लगाना, नियम विरुद्ध नंबर प्लेट उपयोग करना तथा काली फिल्म लगाकर वाहन चलाना कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस का यह विशेष अभियान आगामी दिनों में और अधिक सख्ती के साथ जारी रहेगा तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मेड़तारोड में आज से 15 जुलाई तक लगेंगे वार्डवार शहरी सेवा शिविर

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। राज्य सरकार के निर्देशानुसार उपखंड मेड़ता के शहरी क्षेत्र मेड़तारोड में 12 जून 2026 से 15 जुलाई 2026 तक वार्डवार शहरी सेवा शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों का उद्देश्य विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित रह गए पात्र नागरिकों को मौके पर ही त्वरित राहत एवं लाभ प्रदान करना है।

प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार शिविरों में विभिन्न विभागों से संबंधित योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे आमजन को कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। शिविरों में प्राप्त होने वाले आवेदनों एवं समस्याओं का त्वरित निस्तारण भी किया जाएगा।

शिविरों के सफल संचालन एवं समन्वय के लिए नगरपालिका मेड़तारोड के अधिशाषी अधिकारी हरेंद्र चौधरी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। नोडल अधिकारी को शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने तथा अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन ने जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया है, ताकि अधिकाधिक पात्र नागरिकों तक योजनाओं की जानकारी पहुंच सके और उन्हें सरकारी सुविधाओं का लाभ मिल सके। शिविरों के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा, राजस्व, नगरीय विकास, जलदाय, विद्युत, चिकित्सा एवं अन्य विभागों से जुड़ी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

प्रशासन का मानना है कि इन शहरी सेवा शिविरों के आयोजन से आमजन की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान होगा तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। मेड़तारोड शहरी क्षेत्र में इन शिविरों का आयोजन वार्डवार निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किया जाएगा, जिसकी विस्तृत सूचना अलग से जारी की जाएगी।

पुरोहितों की मादड़ी रोड नम्बर 4 स्थित दूदाजी के देवरे वाली मुख्य सडक़ पर टूटे गट्टर से आमजन परेशान

रोज हो रहे है हादसे शिकार, प्रतिदिन 4 हजार लोगों का होता है आवागमन

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

शहर के पुरोहितों की मादड़ी रोड नम्बर 4 स्थित दूदाजी के देवरे वाली मुख्य सडक़ में पिछले एक वर्ष से बडे नाले बीच की गट्टा टूटी हुई। जिससे गली के अन्दर प्रवेश करने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी हितेश व्यास ने बताया कि कई बार सम्बन्धित विभाग में इसकी शिकायत भी की लेकिन अभी तक हालात जस के तस ही है। गली के अन्दर मुडाव होने के कारण आमजन व वाहन चालक नाली में गिर कर चोटिल हो रहे है।

जानकारी के अनुसार पुरोहितों की मादड़ी में दूदाजी के देवरे वाली गली मे जाने वाली सडक़ के बीच में नाले का निर्माण किया गया है जिस

पर लगे गट्टर पूरी तरह से टूटकर खस्ताहाल है। सडक़ पूरी तरह से टूट चुकी है आए दिन यहां के निवासी हादसे के शिकार हो रहे है। क्षेत्रवासियों को कहना है कि पिछले 1 साल से नाली पर लगे गटर भी पूरी तरह से टूट चुके है। लेकिन सम्बन्धित विभाग एवं अधिकारियों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। बारिश के समय इन खड्डों में पानी भर जाता है जिससे दूपहिया वाहन चालक गिर रहे है। इस मुख्य मार्ग से रोजाना करीब 4 हजार लोगों का आवागमन होता है। लेकिन टूटी सड़क के कारण वे हमेशा हादसे के शिकार होने के अंदेशे में रहते है। करीब चार माह पहले बड़ा नाला बनाने के लिए खोदी गई मुख्य सड़क को भी दुरुस्त नहीं किया गया। क्षेत्रवासियों का कहना है कि सडक़ को सही कराने पर भारी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस मुख्य सडक़ से करीब 4 हजार से अधिक लोगों का प्रतिदिन आवागम है। हमेशा किसी न किसी दूपहिया व चार पहिया वाहन के टायर उस टूटे हुए नाले के गट्टर में फंस जाते है जिससे वाहन चालक नीचे गिर कर चोटिल हो रहे है।

स्वर्णगरीआंशिक रद्द, लीलण एक्सप्रेस लेट, पुरी एक्सप्रेस बहाल

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। उत्तर पश्चिम रेलवे पर चल रहे निर्माण और तकनीकी कार्यों के कारण आगामी दिनों में तीन रेल सेवाएं प्रभावित रहेंगी। इनमें एक ट्रेन आंशिक रद्द रहेगी,एक रीशेड्यूल होकर चलेगी, जबकि एक पूर्व घोषित प्रभावित ट्रेन को बहाल कर दिया गया है।जोधपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हितेश यादव ने बताया कि राईका बाग-जैसलमेर रेलखंड पर तिंवरी-ओसियां स्टेशनों के बीच ब्रिज संख्या 42 और 44 पर गर्डर लॉन्चिंग कार्य किया जाएगा। इसके चलते गाड़ी संख्या 12249 शकूरबस्ती-जैसलमेर एक्सप्रेस 13 जून को शकूरबस्ती से चलकर केवल जोधपुर तक ही पहुंचेगी। ट्रेन का जोधपुर-जैसलमेर खंड आंशिक रूप से रद्द रहेगा। वहीं डेगाना-फुलेरा रेलखंड के नावां सिटी स्टेशन पर फुट

ओवर ब्रिज निर्माण के लिए ट्रैफिक ब्लॉक लिया जाएगा। इसके कारण गाड़ी संख्या 12467 जैसलमेर-जयपुर लीलण सुपरफास्ट एक्सप्रेस 16 जून को जैसलमेर से एक घंटे देरी से रवाना होगी। उधर यात्रियों के लिए राहत की खबर है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में बिलासपुर-चांपा सेक्शन पर तीसरी-चौथी लाइन और ऑटो सिग्नलिंग का प्रस्तावित कार्य फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। ऐसे में गाड़ी संख्या 20814 जोधपुर-पुरी सुपरफास्ट एक्सप्रेस 13 जून को अपने तय मार्ग और समय के अनुसार सामान्य रूप से चलेगी।

हज का सफर पूरा कर लौटे काछोला के रंगरेज दम्पति

परिजनों व ग्रामीणों ने किया इस्तकबाल

स्मार्ट हलचल | काछोला

कस्बे के हाजी मोहम्मद साबिर रंगरेज व उनकी पत्नी हज्जन नजमा बानू रंगरेज 46 दिन के हज का मक्का मदीना शरीफ का मुकद्दस सफर पूरा करने के बाद वतन लौटे है। प्रदेश के हाजियों की पहली फ्लाइट एयरपोर्ट पर दिन प्रतिदिन पहुंच रही है। इस दौरान हाजी व हज्जन का इस्तकबाल करने परिजन, रिश्तेदार व ग्रामीणों ने कस्बे में गर्मजोशी से स्वागत किया। कस्बे में यार, दोस्तो, परिजनों, रिश्तेदारों ने गले मिल फूल माला से स्वागत किया और मुँह मीठा करवाया।इस मौके पर हाजी मोहम्मद साबिर रंगरेज ने बताया कि हज इस्लाम का अहम अरकान है, हज से लौटने वाले सभी हाजी अपने साथ अमन, भाईचारे,

और इंसानियत का संदेश लेकर आते है।वही उन्होंने मुकद्दस सफर के दौरान देश प्रदेश की अमन, चैन, सुख, समृद्धि व खुशहाली, भाईचारे की दुआ की वही हज यात्रा को जीवन का सबसे अहम और यादगार अनुभव साझा किए और सबके लिए सुखद और स्वस्थ जीवन की प्रार्थना की।इस मौके पर मौलाना मोहम्मद शाह आलम, आम मुस्लिम सदर हाजी शरीफ मोहम्मद मंसूरी, कमालुद्दीन रंगरेज, हाजी फैयाज मोहम्मद कुरैशी, अनवर अहमद रंगरेज, मोहम्मद युनुस रंगरेज, हाजी रमजान अली बिसायती, उस्मान गनी रंगरेज, मुबारक हुसैन मंसूरी, मंजूर कुरैशी, भाजपा नेता संदीप सोनी, भैरू लाल मंत्री, गौशाला सचिव डॉ एन के सोनी, जगदीश मंत्री, रामपाल वैष्णव, मनीष मेघवंशी, कृष्ण गोपाल नकलक, मुरली मूंदड़ा, प्रवीण कुमार, विकास काष्ट, फिरोज डायर, मुबारिक रंगरेज, पीर मोहम्मद मंसूरी, सलीम बाबा, अनवर हुसैन, अब्बास अली, असलम रंगरेज, अल्ताफ, अकरम, नूर मोहम्मद, सद्दाम, साहिल, मोहम्मद आतिफ, सहित सैकड़ों जनों ने स्वागत किया।

राजकीय कॉलेज सूरौठ में बी ए सेमेस्टर प्रथम की प्रवेश लिस्ट जारी

सूरौठ। राजकीय कॉलेज सूरौठ में सत्र 2026 -27 के लिए बीए सेमेस्टर प्रथम में प्रवेश आवेदन करने वाले छात्र-छात्राओं की प्रवेश सूची जारी कर दी गई है जिसके दस्तावेज सत्यापन करने और फीस जमा करने की अंतिम तिथि 13 जून है। कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. पप्पू राम कोली एवं नोडल अधिकारी डॉ. अनिल अग्रवाल ने बताया कि आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर के निर्देश अनुसार राजकीय महाविद्यालय सूरौठ में सत्र 2026 -27 में प्रवेश हेतु आवेदन करने वाले छात्र-छात्राओं की प्रवेश सूची जारी हो गई है। सभी छात्र-छात्राओं के नाम प्रवेश सूची में आ गए हैं। सभी छात्र-छात्राएं जिन्होंने महाविद्यालय में प्रवेश हेतु आवेदन किया है वे सभी अपने समस्त दस्तावेजों के साथ महाविद्यालय में उपस्थित होकर अपने दस्तावेज सत्यापन करा सकते हैं।

गंगापुर सिटी के दुर्गेश शर्मा की दोहरी उपलब्धिः 'बजट क्वेस्ट 2026' के फाइनल में चयन, खेल किट देकर किया गया सम्मानित

देशभर के 12 लाख युवाओं में से चुनी गई प्रतिभा, जिला युवा अधिकारी हर्षित खंडेलवाल ने दुर्गेश को खेल सामग्री किट भेंट कर बढ़ाया हौसला

स्मार्ट हलचल | गंगापुर सिटी

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के 'माय भारत केंद्र' के तत्वावधान में गंगापुर सिटी की नरसिंह कॉलोनी निवासी दुर्गेश शर्मा ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परचम लहराते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। एक ओर जहाँ उनका चयन राज्य स्तरीय 'माय भारत बजट क्वेस्ट 2026' के फाइनल राउंड के लिए हुआ है, वहीं दूसरी ओर उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए केंद्र द्वारा उन्हें खेल सामग्री किट देकर सम्मानित किया गया है ।

12 लाख प्रतिभागियों में से बनाई फाइनल में जगह

माय भारत केंद्र द्वारा आयोजित 'बजट क्वेस्ट 2026' प्रतियोगिता में देशभर से लगभग 12 लाख प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। इन लाखों युवाओं के बीच अपनी उत्कृष्ट सोच और ज्ञान का प्रदर्शन करते हुए दुर्गेश शर्मा ने फाइनल राउंड में अपनी जगह पक्की की है।

जयपुर के राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में हुआ था आयोजन ,

यह कार्यक्रम 13 अप्रैल 2026 को जयपुर के प्रतिष्ठित 'राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर' में आयोजित किया गया , इस दौरान दुर्गेश शर्मा को प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सीधा संवाद करने का स्वर्णिम अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में दुर्गेश 'मानव पूंजी में निवेशः शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार' जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करें , उनका यह प्रस्तुतीकरण मुख्य रूप से कौशल आधारित शिक्षा, रोजगार सृजन और युवाओं के सशक्तिकरण पर केंद्रित था। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के कई दिग्गज शामिल हुए थे जिसमे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा और माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागड़े , इनके अलावा, उपमुख्यमंत्री श्रीमती दीया कुमारी व श्री प्रेम चंद बैरवा, युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा और शिक्षा एवं कौशल मंत्री श्री मदन दिलावर भी इस गरिमामयी समारोह में उपस्थित रहें ,

जिला युवा अधिकारी ने खेल किट देकर किया सम्मानित

दुर्गेश शर्मा की इस अकादमिक सफलता के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए 'माय भारत केंद्र' के जिला युवा अधिकारी हर्षित खंडेलवाल ने उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया। खंडेलवाल ने दुर्गेश को खेल सामग्री किट प्रदान करते हुए कहा कि 'माय भारत केंद्र' का उद्देश्य युवाओं को न केवल बौद्धिक रूप से बल्कि शारीरिक और रचनात्मक गतिविधियों में भी सशक्त बनाना है। उन्होंने दुर्गेश को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

नरसिंह कॉलोनी में जश्न का माहौल

बजट क्वेस्ट के फाइनल में चयन और जिला स्तर पर हुए इस सम्मान से दुर्गेश शर्मा के निवास स्थान नरसिंह कॉलोनी सहित पूरे गंगापुर सिटी में खुशी की लहर है। दुर्गेश ने अपनी इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जिला युवा अधिकारी व 'माय भारत केंद्र' का हृदय से आभार जताया है। इस अवसर पर स्थानीय निवासियों, खेल प्रेमियों और परिजनों ने दुर्गेश को बधाई देते हुए उम्मीद जताई है कि वे आगे भी अपने उत्कृष्ट विचारों से क्षेत्र का मान बढ़ाएंगे।

एनएसयूआई ने दी राजेश पायलट को श्रद्धांजलि

स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। जिला एनएसयूआई द्वारा स्वर्गीय राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने स्वर्गीय राजेश पायलट के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम में नगर परिषद के निवर्तमान सभापति संदीप शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि राजेश पायलट की पुण्यतिथि को प्रेरणा दिवस के रूप में मनाते हुए हम सभी उनके विचारों और आदर्शों से प्रेरणा लेते हैं। उन्होंने सदैव किसानों, युवाओं एवं आमजन, विशेष रूप से किसानों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी। उनकी सोच थी कि देश के प्रत्येक किसान को न्याय मिले तथा किसान की उन्नति ही राष्ट्र की उन्नति का आधार बने।

इस दौरान एनएसयूआई एवं कांग्रेस परिवार के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने स्वर्गीय राजेश पायलट के आदर्शों पर चलने तथा किसानों, युवाओं और आमजन के हितों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करने का संकल्प लिया।

कलम से लिखी अपनी उड़ान 'अवसर पदों से नहीं मिलते, वे जुनून, उद्देश्य और निरंतर प्रयास से बनते हैं

स्मार्ट हलचल

डूंगरपुर। वसी गाँव की सादगी भरी गलियों से निकली एक बेटी, जिसने सीमित संसाधनों के बीच भी असीम सपने देखने का साहस किया। न घर में बड़ी लाइब्रेरी थी, न विशेष सुविधाएँ, लेकिन शिक्षा, साहित्य और सीखने का जुनून उसके साथ था। मध्यमवर्गीय परिवार की जिम्मेदारियों और जीवन की अनेक चुनौतियों के बीच उसने अपने मन में एक सपना संजोया—अपने विचारों को शब्दों में ढालकर समाज तक पहुँचाने का। राह आसान नहीं थी। संघर्ष थे, असफलताएँ थीं, स्वयं को बार-बार साबित करने की चुनौतियाँ थीं। लेकिन हर कठिनाई ने उसे और मजबूत बनाया। इन्हीं संघर्षों के बीच माधुरी ने अपनी पहचान गढ़ी और एक दिन माधुरी से डॉ. माधुरी बनने का गौरवपूर्ण सफर तय किया।

एमकॉम, एमए (हिंदी) और

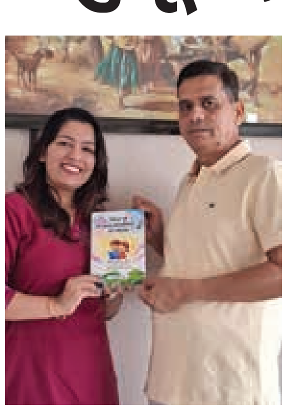

पीएचडी की शैक्षणिक यात्रा केवल डिग्रियों तक सीमित नहीं थी; यह आत्मविश्वास, धैर्य और निरंतर सीखने की यात्रा थी। उनका शोध विषय 'हिंदी की बाल कहानियों का बालकों के जीवन पर प्रभाव' था, जिसने बाल साहित्य और शिक्षा के प्रति उनकी समझ को और गहरा किया। राजस्थान के वसी गाँव की पहली महिला के रूप में पीएच. डी. प्राप्त करना केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं थी, बल्कि अनेक बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया।

उनकी यात्रा को नई दिशा तब मिली जब उन्हें हिंदी कैम्ब्रिज एग्ज़ामिनर बनने का अवसर मिला। ष्टश्वद्ग' के सहयोग और विश्वास ने उन्हें राष्ट्रीय मंचों पर हिंदी शिक्षिका के रूप में अपनी बात रखने, सत्रों का संचालन करने और पैनल चर्चाओं में भाग लेने का अवसर प्रदान किया। यह केवल सम्मान नहीं था, बल्कि इस बात का प्रमाण था कि हिंदी शिक्षक भी राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व कर सकते हैं, प्रेरित कर सकते हैं और परिवर्तन ला सकते हैं।

परिवार इस यात्रा की सबसे मजबूत नींव रहा। उनके विश्वास ने आत्मविश्वास दिया और पिता के शब्द आज भी मार्गदर्शन करते हैं—

'रानी को ताज की आवश्यकता नहीं होती, उसे प्रेम और सम्मान करने वाले लोगों की आवश्यकता होती है। '

शिक्षा के क्षेत्र में लगभग 18 वर्षों की यात्रा के बाद अर्जित यह सम्मान ही उनकी सबसे बड़ी पूँजी है।

जेबीसीएन इन्टरनेशनल स्कूल, बोरीवली ने उन्हें केवल कार्य-स्थल नहीं, बल्कि सीखने, बढ़ने और नेतृत्व करने का मंच दिया। आईएवाइपी कॉर्डिनेटर सामाजिक पहुँच कार्यक्रमों और विभिन्न नेतृत्व भूमिकाओं ने उन्हें शिक्षा को कक्षा से बाहर वास्तविक जीवन से जोड़ने का अवसर दिया।

सबसे प्रेरणादायक अनुभवों में से एक था सामुदायिक कार्य। विद्यार्थियों के साथ मिलकर अर्ध-सरकारी विद्यालयों में शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन, परिवहन और पोषण सहायता के लिए संसाधन जुटाना, तथा शिक्षा के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाना—इन प्रयासों ने यह सिद्ध किया कि शिक्षा केवल ज्ञान नहीं देती, बल्कि संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक भी बनाती है।

इन्हीं अनुभवों, शोध, संवेदनाओं और वर्षों के शिक्षण अनुभव ने एक और सपने को जन्म दिया। और फिर वह सुनहरा क्षण आया, जब उनकी पुस्तक 'शिक्षा में बाल कहानियों का महत्व' प्रकाशित हुई।

यह केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि संघर्ष, समर्पण, विश्वास और अनगिनत भावनाओं का साकार रूप है। इसके हर पृष्ठ में एक शिक्षिका का अनुभव, एक शोधकर्ता की दृष्टि, एक लेखिका की संवेदना और एक बेटी के सपनों की उड़ान समाहित है।

आज डॉ. माधुरी गौड़ केवल एक लेखिका नहीं हैं, बल्कि उन सभी बेटियों की प्रेरणा हैं जो छोटे शहरों और गाँवों में बैठकर बड़े सपने देखती हैं। उनकी यात्रा यह सिद्ध करती है कि सफलता संसाधनों से नहीं, बल्कि दृढ़ संकल्प, निरंतर सीखने और स्वयं पर अटूट विश्वास से प्राप्त होती है।

उनकी कहानी हमें यही संदेश देती है कि सपने परिस्थितियों से नहीं, हौसलों से पूरे होते हैं। जब इरादे मजबूत हों, सीखना कभी न रुके और कलम में संवेदनाओं की शक्ति हो, तो छोटी-सी शुरुआत भी इतिहास रच सकती है।

आज यह पुस्तक केवल एक प्रकाशन नहीं, बल्कि एक बेटी के सपनों, संघर्षों, उपलब्धियों और पहचान का उत्सव है।

माधुरी से डॉ. माधुरी तक की यह यात्रा केवल नाम का परिवर्तन नहीं, बल्कि उद्देश्य, आत्मविश्वास और प्रेरणा की एक अद्भुत कहानी है।

और यदि इस पूरी यात्रा से एक सीख मिलती है, तो वह यह है—

'जब लोग आप पर विश्वास करते हैं, तो आप स्वयं पर विश्वास करना सीखते हैं, और वही विश्वास इतिहास रच देता है। '

बाईपास पास पर ट्रक खाई में गिरा, चालक खलासी बाल बाल बचे

स्मार्ट हलचल | बनेड़ा

जयपुर काकरोली स्टेट हाइवे न12 पर स्थित बाइपास पर एक ट्रक खाई मे जा गिरा। गनीमत यह रही कि ट्रक चालक और खलासी के कोई चोट नहीं आई। वहीं मामले की सुचना पर पुलिस ने मौका मुआयना किया । प्राप्त जानकारी के गोदरेज कपंनी के आलमारी आदि सामान भर के एक मुम्बई से दिल्ली जा रहा था। इस दौरान बाइपास पर स्थित विकट मोड़ पर अचानक ट्रेलर के सामने आ जाने ट्रक तीन बार पलटी खाने के बाद खाई मे जा गिरा। जिसके कारण ट्रक तो क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं ट्रक मे मौजूद स्टाफ को किसी भी प्रकार की चोटें नहीं आई।

हल्ला बोल प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सांगोद की बैठक आयोजित

स्मार्ट हलचल

सांगोद। आगामी 15 जून 2026 को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सांगोद द्वारा क्षेत्रीय समस्याओं, बढ़ती महंगाई, जबरन स्मार्ट मीटर लगाए जाने, अवैध खनन तथा बिजली विभाग की लापरवाही के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में करंट लगने से हो रही दुर्घटनाओं के विरोध में आयोजित होने वाले 'हल्ला बोल प्रदर्शन' की तैयारियों को लेकर बुधवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सांगोद की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक के मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस कमेटी कोटा देहात के अध्यक्ष भानू प्रताप सिंह रहे, जबकि अध्यक्षता ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सांगोद के अध्यक्ष मिर्ज़ा शकील अहमद ने की।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भानू प्रताप सिंह ने कहा कि प्रदेश और केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों से आमजन त्रस्त है। महंगाई लगातार बढ़ रही है, किसानों, मजदूरों और गरीब वर्ग की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली विभाग की लापरवाही के कारण आए दिन करंट लगने से लोगों की जान जा रही है, वहीं जबरन स्मार्ट मीटर लगाकर जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। कांग्रेस पार्टी जनता की आवाज बनकर इन मुद्दों को मजबूती से उठाएगी तथा 15 जून का हल्ला बोल प्रदर्शन जनआक्रोश का प्रतीक बनेगा।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मिर्ज़ा शकील अहमद ने कहा कि सांगोद क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस पार्टी लगातार संघर्ष कर रही है। क्षेत्र में अवैध खनन, बढ़ती महंगाई, बिजली व्यवस्था की बदहाली तथा आमजन से जुड़े अनेक मुद्दों पर सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे गांव-गांव जाकर लोगों को प्रदर्शन से जोड़ें तथा 15 जून को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर जनहित की लड़ाई को मजबूत बनाएं।

बैठक में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष कपिल नागर, संगठन महासचिव बाबूलाल तिवारी, देवली मंडल अध्यक्ष अरविंद सिंह, बपावर मंडल अध्यक्ष विशाल मीणा, कमोलर मंडल अध्यक्ष विशाल तिवारी, सांगोद मंडल अध्यक्ष ऋषिराज मीणा, ब्लॉक उपाध्यक्ष राजेन्द्र गहलोत, नगर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज सुवालका, देहात जिला सचिव अफ़सार प्रधान, ब्लॉक महासचिव बृजमोहन रैगर, पंचायत अध्यक्ष शिवराम सुमन, रघुनंदन गौतम, राजेन्द्र चौधरी एवं पुरुषोत्तम शर्मा, रोहित शर्मा सहित बैठक में उपस्थित सभी नेताओं ने कांग्रेसजनों से 15 जून को आयोजित हल्ला बोल प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।बैठक में मुख्य रूप से पूर्व जिला परिषद सदस्य रामराज यादव,रामू काका, देवीलाल गुर्जर, मोहम्मद नईम, जगदीश मीणा, जाकिर हुसैन, लोकेश मीणा, महावीर पारेता, भवानी शंकर नागर, राजेंद्र मीणा,हरि प्रकाश बेरवा,मनीष गोड़,इंद्र कुमार प्रजापती,कैलाश बेरवा, दीनदयाल गुर्जर, पूरणमल सुमन, लेखराज गुर्जर, सुल्तान भील, देवीसिंह, बृजराज मीणा, पवन कुमार शर्मा,भेरूलाल रायका, लोकेश सुमन,हरिओम मीणा, द्वारकीलाल केवट, कमल प्रकाश, सत्यनारायण मेहता,कृष्णमुरारी गुर्जर,हरिनारायण सुमन, गोविंद नागर,रामस्वरूप मीणा, राजमल मेहता, मकसूद भाई, दिलीप सैन, निरंजन जैन, यादराम मेघवाल, मोहम्मद इब्राहीम, देवीलाल नागर, तिरलोक मीणा, धनराज मीणा, प्रेम कुमार शर्मा, गजेंद्र सिंह, मनोज तिवारी, राजाराम शर्मा, शिवराज नागर, रामराज गुर्जर, बद्रीलाल शर्मा, वसीम जलाल, दिनेश सुमन, मुसव्वीर खान,महावीर नायक सिद्धार्थ सुवालका, भोजराज गुर्जर, शहादत मुल्तानी, हरीश चतुर्वेदी अंकुश शर्मा, गिरराज शर्मा, कलाम खान, कन्हैया लाल, इलियास अन्सारी, सोनू पांचाल, मेघराज नागर सत्यनारायण मीणा, यूसुफ़ अली, कन्हैयालाल योगी , बद्री लाल गौचर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राष्ट्रीय न्यू आदर्श श्रमजीवी पत्रकार संघ महेश चंद्र मीणा अलवर जिले के जिला अध्यक्ष मनोनीत

स्मार्ट हलचल |जयपुर-अलवर

राष्ट्रीय न्यू आदर्श श्रमजीवी पत्रकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डी एल शर्मा की सहमति से महेश चंद्र मीणा पत्रकार को अलवर जिले के पत्रकार संगठन का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष डी एल शर्मा ने नव नियुक्त जिला अध्यक्ष महेश चंद्र मीणा को बधाई देते हुए निर्देशित किया है कि वे आगामी एक माह के भीतर जिले की सभी तहसीलों में तहसील अध्यक्षों का मनोनयन पूर्ण करें तथा अलवर जिले की पूर्ण कार्यकारिणी का गठन कर संगठन को मजबूत करें। साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष ने महेश चंद्र मीणा के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

इस नव नियुक्ति पर संगठन के राष्ट्रीय ग्रामीण अध्यक्ष जगदीश मीणा एवं, महामंत्री देवीलाल बैरवा, प्रदेश सचिव भरत देवड़वाल ने हर्ष व्यक्त किया है। पत्रकार साथियों ने भी महेश चंद्र मीणा को जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर उनका धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बधाइयां दी हैं और विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में अलवर जिले में पत्रकार हितों के लिए संगठन और मजबूती से कार्य करेगा।

रेड क्रॉस सोसायटी में कार्यकाल खत्म होने के बाद भी वसूली और चुनाव के नाम पर धांधली

स्मार्ट हलचल|बूंदी

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी बूंदी की वर्तमान कार्यकारिणी पर पद का दुरुपयोग करने, वित्तीय अनियमितताओं और संविधान के उद्देश्यों के विपरीत कार्य करने के गंभीर आरोप लगे हैं। इन सभी मामलों को लेकर आज बायपास रोड स्थित एक निजी रिसोर्ट में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। जिसमें कार्यकारिणी के तानाशाही रवैए और कोष के दुरुपयोग को उजागर किया गया।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए एडवोकेट अजय नुवाल ने बताया कि वर्तमान कार्यकारिणी का विधिक कार्यकाल सितंबर 2024 में ही समाप्त हो चुका है। कार्यकाल समाप्त होने के उपरांत भी यह कार्यकारिणी अवैध रूप से पद पर काबिज है। गंभीर आरोप है कि चुनाव करवाने के नाम पर कार्यकारिणी द्वारा नियम-विरुद्ध तरीके से 6 लाख रुपये की मोटी राशि वसूल की गई है।यही नहीं, अपनी मनमर्जी और आगामी चुनाव को प्रभावित करने की नीयत से संस्था के नियमों को ताक पर रखकर 600 नए सदस्य बना दिए गए हैं, जो पूरी तरह से अवैध और असंवैधानिक है।

प्रेस वार्ता में मौजूद सदस्यों ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि जिस उद्देश्य और लोकतांत्रिक भावना के साथ इस संस्था के संविधान का निर्माण किया गया था, वर्तमान पदाधिकारी उसके ठीक विपरीत काम कर रहे हैं। संस्था के मुख्य कोष का इस्तेमाल सदस्यों के कल्याण के बजाय निजी हितों और अपनी कुर्सी बचाने के लिए किया जा रहा है। कोष के इस खुले दुरुपयोग से आम सदस्यों में भारी आक्रोश है। प्रेस वार्ता के माध्यम से पीडति पक्ष और जागरूक सदस्यों ने

जिला प्रशासन तथा संबंधित विभाग के उच्चाधिकारियों से इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने मांग की है कि सितंबर 2024 के बाद कार्यकारिणी द्वारा लिए गए सभी निर्णयों को निरस्त घोषित किया जाए। वसूले गए 6 लाख रुपये और बनाए गए 600 सदस्यों की निष्पक्ष जांच हो। वर्तमान कार्यकारिणी को तुरंत हटाकर एक स्वतंत्र चुनाव अधिकारी की देखरेख में लोकतांत्रिक तरीके से नए सिरे से चुनाव संपन्न कराए जाएं। सदस्यों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस वित्तीय अनियमितता और असंवैधानिक गतिविधियों पर रोक नहीं लगाई गई, तो वे न्याय के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे और उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता प्रकाश चंद्र भंडारी, चंद्र प्रकाश सेठी, मुकेश दाधीच, पुरुषोत्तम नुवाल, रवि दाधीच, अंकित शर्मा, एडवोकेट संजय शर्मा, बिट्ठल सनाढय, रघुनंदन शर्मा, अवधेश बिहारी शर्मा मौजूद रहे।

राईजिंग राजस्थान के एमओयू धारकों के लिए रीको ने शुरू किया डायरेक्ट अलॉटमेंट का 11वां चरण

435 औद्योगिक एवं 4 लॉजिस्टिक्स भूखंड उपलब्ध, 16 जून तक ऑनलाइन आवेदन

कोटा, बूंदी और बारां में औद्योगिक निवेश को मिलेगा नया प्रोत्साहन

स्मार्ट हलचल| कोटा

राईजिंग राजस्थान निवेश पहल के तहत राज्य सरकार के साथ एमओयू कर चुके निवेशकों के लिए राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) ने कोटा, बूंदी एवं बारां जिलों में औद्योगिक तथा वेयरहाउस/लॉजिस्टिक्स भूखंडों के प्रत्यक्ष आवंटन योजना का 11वां चरण प्रारंभ कर दिया है। इच्छुक निवेशक 16 जून 2026 को सायं 6 बजे तक रीको की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

रीको के वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक एवं इकाई प्रभारी वी.के. विजय ने बताया कि इस चरण में कोटा, बूंदी एवं बारां जिले के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में कुल 435 औद्योगिक भूखंड तथा 4 लॉजिस्टिक्स भूखंड आवंटन के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। योजना का उद्देश्य निवेशकों को त्वरित रूप से भूमि उपलब्ध कराकर औद्योगिक विकास को गति देना तथा क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित करना है। उन्होंने बताया कि राईजिंग राजस्थान के अंतर्गत राज्य सरकार के साथ एमओयू निष्पादित कर चुके निवेशक रीको की आधिकारिक वेबसाइट एवं एसएसओ पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ निर्धारित अमानत राशि जमा कराने की अंतिम तिथि भी 16 जून 2026 सायं 6 बजे निर्धारित की गई है।

वी.के. विजय ने बताया कि किसी भूखंड के लिए एकमात्र आवेदन प्राप्त होने पर उसका प्रत्यक्ष आवंटन किया जाएगा, जबकि एक से अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में 22 जून 2026 को ई-लॉटरी के माध्यम से आवंटन प्रक्रिया संपन्न होगी।

योजना के अंतर्गत कोटा जिले के गुण्दी फतेहपुर औद्योगिक क्षेत्र में 10, टॉय पार्क रानपुर में 13 तथा बारां जिले के गुवाड़ी-मझारी में एक भूखंड 99 वर्ष की लीज अवधि के लिए उपलब्ध कराया गया है। वहीं कोटा जिले के स्टोन पार्क गुण्दी फतेहपुर में 60, वेस्ट रिसाइक्लिंग पार्क गुण्दी फतेहपुर में 46, बपावर में 81, बारां जिले के पीपलखेड़ी में 67 तथा बूंदी जिले के कछालिया में 16, तालाबगांव में 96 और श्रीरामजानकी नैनवां में 45 औद्योगिक भूखंड 33 वर्ष की लीज अवधि के लिए रखे गए हैं।

इसके अतिरिक्त बारां जिले के पीपलखेड़ी औद्योगिक क्षेत्र में 4 लॉजिस्टिक्स भूखंड भी 33 वर्ष की लीज अवधि के लिए योजना में शामिल किए गए हैं।

रीको ने निवेशकों की सुविधा के लिए आवंटन के पश्चात शेष 75 प्रतिशत राशि का भुगतान 8.50 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर 19 अथवा 11 त्रैमासिक किश्तों में करने की सुविधा भी प्रदान की है।

रामगंज मंडी-भोपाल नई बड़ी रेल लाइन परियोजना को मिली नई गति

आज होगा श्यामपुर-कुरावर खंड का सीआरएस निरीक्षण

हाड़ौती और मालवा क्षेत्र के बीच सीधी रेल कनेक्टिविटी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

स्मार्ट हलचल| कोटा

हाड़ौती क्षेत्र को मध्यप्रदेश के मालवा अंचल एवं राजधानी भोपाल से सीधे रेल संपर्क प्रदान करने वाली बहुप्रतीक्षित रामगंज मंडी-भोपाल नई बड़ी रेल लाइन परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है। परियोजना के अंतर्गत निर्मित श्यामपुर-कुरावर रेलखंड का रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस), मुंबई द्वारा 12 जून 2026 को संरक्षा निरीक्षण किया जाएगा। यह निरीक्षण परियोजना के संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि 276 किलोमीटर लंबी इस परियोजना में रामगंज मंडी से ब्यावरा तक लगभग 165 किलोमीटर रेलखंड कोटा मंडल के अंतर्गत आता है। परियोजना के निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। अब तक नयागांवपुरा कुमार-खिलचीपुर, जरखेड़ा-श्यामपुर तथा खिलचीपुर-राजगढ़ सिटी खंडों का सीआरएस निरीक्षण सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। उन्होंने बताया कि 12 जून को प्रातः 8 बजे से सायं 7 बजे तक श्यामपुर-कुरावर रेलखंड पर संरक्षा एवं तकनीकी मानकों की विस्तृत जांच की जाएगी। निरीक्षण के दौरान विशेष परीक्षण ट्रेनों का संचालन उच्च गति से किया जाएगा, जिससे रेलखंड की परिचालन क्षमता और सुरक्षा मानकों का आकलन किया जा सकेगा।

यह नई रेल लाइन कोटा, झालावाड़, राजगढ़, सीहोर और भोपाल जिलों को सीधे रेल नेटवर्क से जोड़ेगी। वर्तमान में कोटा और भोपाल के बीच रेल यात्रा नागदा-उज्जैन अथवा बीना मार्ग से होती है, जबकि नई लाइन शुरू होने पर दूरी में लगभग 100 किलोमीटर की कमी आएगी और यात्रा समय में 2 से 3 घंटे तक की बचत होगी। इसके अतिरिक्त झालावाड़ स्थित कालीसिंध ताप विद्युत परियोजना तक कोयला परिवहन का मार्ग भी लगभग 42 किलोमीटर छोटा हो जाएगा, जिससे माल परिवहन अधिक किफायती बनेगा। परियोजना पूर्ण होने पर रामगंज मंडी, झालरापाटन, असनावर, अकलेरा, घाटोली, भोजपुर और खिलचीपुर सहित अनेक क्षेत्रों को बेहतर रेल सुविधा मिलेगी। इससे शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवाओं और व्यापारिक गतिविधियों को नई गति मिलने के साथ ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास को भी बल मिलेगा।

कई सालों से लंबित मांगों को लेकर योग प्रशिक्षकों ने दी आंदोलन की चेतावनी

स्मार्ट हलचल|लाखेरी

देईखेड़ा क्षेत्र में आयुर्वेद विभाग में कार्यरत योग प्रशिक्षकों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। प्रशिक्षकों ने बताया कि पिछले पांच वर्षों से लगातार सेवाएं देने के बावजूद न वेतन वृद्धि की गई है और न ही पदों को फुल टाइम किया गया है। योग प्रशिक्षकों ने चेतावनी दी कि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं होने पर 11 से 21 जून तक आयोजित होने वाले योग दिवस कार्यक्रमों का बहिष्कार करेंगे। उन्होंने आयुष विभाग के अधिकारियों को भी ज्ञापन देकर समस्याओं से अवगत कराया। प्रशिक्षकों का कहना है कि योग को जन-जन तक पहुंचाने वाले कर्मियों की ही उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने सरकार से जल्द मांगें पूरी कर भविष्य सुरक्षित करने की मांग की, अन्यथा आंदोलन को व्यापक करने की चेतावनी दी। इस दौरान जिला अध्यक्ष सत्यनारायण सहित राजेश सेन, बृजेश मीणा, मुकेश, दीपक, रवीना कई योग प्रशिक्षक मौजूद रहे।

विधायक भैया का भवानी मंडी आगमन पर कार्यकर्ताओं का किया आभार व्यक्त

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। राजस्थान सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक प्रमोद जैन भाया भवानीमंडी अपने निजी प्रवास पर आये। जहां प्रमोद भाया की जीत पर एवं वीरेंद्र गुर्जर को दोबारा जिला कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने पर पूर्व विधायक स्नेहलता जी के निज निवास पर पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं द्वारा गर्मजोशी आतिशबाजी कर माला , शाल, श्रीफल भेंटकर भावभीना स्वागत किया गया।

ब्लॉक कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष आनन्द काला ने बताया कि अंता उपचुनाव में प्रमोद भाया जी की जीत के लिए पूर्व विधायक स्नेहलता एवं कार्यकर्ताओं द्वारा मांगी गई कालभैरव महाराज, आदिनाथ भगवान (चांदखेड़ी वाले बाबा) गोविंद धाम पर मन्नत के पूरी हो जाने पर उन्होंने स्वयं सभी देव स्थान पर जाकर आशीर्वाद लिया। साथ ही प्रदेश में अमन, चैन, खुशहाली के लिये पचपहाड़ सैय्यद बाबा बावड़ी वाले के दर पर चादर पैश की। साथ ही भाया ने सभी कार्यकताओं का आभार भी व्यक्त किया।

इस अवसर पर विधानसभा प्रत्याशी चेतराज गहलोत, पूर्व पालिका अध्यक्ष कैलाश बोहरा, प्रदेश सचिव देवकीनंदन वर्मा, जिला संगठन महामंत्री राजेंद्र शर्मा, राजेश गुप्ता करावन, मदरसा बोर्ड चेयरमैन मोहम्मद सलीम खान, संगठन मंत्री कालू लाल सालेचा, नगर अध्यक्ष विनय आस्तोलिया, एडवोकेट लोकेश गुप्ता, एडवोकेट श्याम सिंह चौहान, महिला प्रदेश सचिव करुणा देवी, मंडल अध्यक्ष कैलाश कंवर चौहान, रामचन्द्र वर्मा, रानी शर्मा, सरपंच सुशीला वर्मा, ब्लॉक प्रवक्ता अख्तर अली, चैन सिंह सिसोदिया, नगर उपाध्यक्ष अब्दुल हफीज भाई, एनएसयूआई नगर अध्यक्ष अजमल खान, डॉ विकास पांडे, पूर्व पार्षद अखिम खान, हरीश राठौड़, राजिक अंसारी, राकेश चावला, मानसिंह जुझारू, हसीब चौधरी, प्रबल जैन, अरुण तंवर, लखन बैरागी, शाबाज खान, रेहान चीकू, जैनुल, मुशर्रफ , शब्बू पठान, अर्श खान, आदि पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

नागौर पुलिस का अवैध शराब के खिलाफ बड़ा अभियान

9 मामले दर्ज, 6 आरोपी गिरफ्तार, 847 पव्वे शराब जब्त

स्मार्ट हलचल

नागौर/ मेड़ता रोड। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नागौर आशाराम चौधरी के निर्देशन में जिलेभर में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। वृत्ताधिकारी नागौर जतिन जैन के नेतृत्व में गठित विभिन्न पुलिस टीमों ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दबिश देकर अवैध शराब के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की।

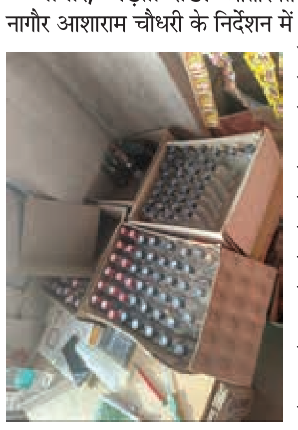

इस अभियान में सदर नागौर, गोटन, जंसनगर, खाटूबड़ी, जायल, सुरपालिया सहित डीएसटी टीम को शामिल किया गया। कार्रवाई के दौरान कुल 9 प्रकरण दर्ज किए गए तथा 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने अभियान के दौरान 847 पव्वे अवैध देशी शराब, 73 पव्वे अवैध अंग्रेजी शराब, 92 बीयर बोतलें तथा 2 अंग्रेजी शराब की बोतलें बरामद की हैं। मिली जानकारी के अनुसार सदर थाना पुलिस ने झाडीसरा निवासी महेन्द्रसिंह पुत्र करणीसिंह राजपूत (23 वर्ष) को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 128 पव्वे अवैध देशी शराब एवं 8 बीयर बोतलें बरामद कीं तथा गोटन थाना पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए कुनाराम पुत्र उमाराम मेघवाल तथा रामअवतार पुत्र भूराराम बावरी को गिरफ्तार किया। दोनों के कब्जे से क्रमशः 55 एवं 60 पव्वे अवैध देशी शराब बरामद की गई।इसी प्रकार जंसनगर पुलिस ने बाबूलाल पुत्र मंगलाराम कुमावत के खिलाफ कार्रवाई कर 52 पव्वे अवैध देशी शराब जब्त की वहीं

खाटूबड़ी थाना क्षेत्र में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर 144 पव्वे अवैध देशी शराब बरामद की गई। जायल पुलिस ने दिनेश पुत्र तिलोकराम (36 वर्ष) निवासी दुगारता को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 48 पव्वे अवैध देशी शराब जब्त की। तथा सुरपालिया थाना क्षेत्र में तीन अलग-अलग मामलों में कार्रवाई की गई। एक मामले में अमरसिंह पुत्र मोहनसिंह (46 वर्ष) को गिरफ्तार कर 138 पव्वे अवैध देशी शराब बरामद की गई। वहीं दो अन्य मामलों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर 47 पव्वे अवैध देशी शराब, 13 पव्वे अवैध अंग्रेजी शराब, 24 बीयर बोतलें, तथा दूसरे मामले में 175 पव्वे अवैध देशी शराब, 60 पव्वे अवैध अंग्रेजी शराब, 60 बीयर बोतलें एवं 2 अंग्रेजी शराब की बोतलें जब्त की गईं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं बिक्री के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। आमजन से भी अपील की गई है कि यदि कहीं अवैध शराब का कारोबार संचालित हो रहा हो तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

प्रभारी सचिव ने जनसुनवाई में सुनी परिवेदनाएं, अधिकारियों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

भवानीमंडी उपखंड में जनसुनवाई के साथ विभिन्न कार्यालयों का किया निरीक्षण

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। राज्य सरकार द्वारा आमजन की परिवेदनाओं के प्रभावी निस्तारण हेतु संचालित त्रिस्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुवार को उपखंड भवानीमंडी में पंचायत समिति सभागार में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई की अध्यक्षता जिले के प्रभारी सचिव व संभागीय आयुक्त, कोटा संभाग श्री अनिल कुमार अग्रवाल ने की।जनसुनवाई के दौरान प्रभारी सचिव ने आमजन की समस्याओं एवं परिवेदनाओं को गंभीरता से सुना तथा विभिन्न विभागों से संबंधित प्राप्त प्रकरणों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को राहत प्रदान करना है, इसलिए प्रत्येक परिवेदना का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए।

जनसुनवाई के उपरांत प्रभारी सचिव ने उपखंड क्षेत्र के विभिन्न कार्यालयों एवं संस्थानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पीएचसी पचपहाड़, पीएचसी घटौद, अटल सेवा केन्द्र सूलिया में संचालित डाकघर, पटवार घर, पशु चिकित्सालय तथा उप स्वास्थ्य केन्द्र सूलिया का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्यालयों में स्वच्छता बनाए रखने, अभिलेखों का सुव्यवस्थित संधारण करने तथा नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए।

संभागीय आयुक्त ने उपखंड कार्यालय एवं उपखंड न्यायालय का भी निरीक्षण कर विभिन्न शाखाओं के कार्यों और अभिलेख संधारण व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यालयों में प्राप्त होने वाली परिवेदनाओं का निर्धारित समयावधि में निस्तारण किया जाए।

इस अवसर पर संभागीय आयुक्त ने उपखंड कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया। इस दौरान उपखण्ड अधिकारी श्रद्धा गोमे सहित अन्य कार्मिक मौजूद रहे।

सयूं पटाटा डे का उल्लासपूर्ण आयोजन, विजेताओं का हुआ सम्मान

स्मार्ट हलचल|कोटा

विश्व सिंधी सेवा संगम द्वारा सिंधी संस्कृति एवं पारंपरिक व्यंजनों के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से 'सयूं पटाटा डे सेलिब्रेशन' का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। आयोजन राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष डॉली मदनानी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मेजबानी कोटा महिला विंग की अध्यक्ष रचना रावतानी ने की, जबकि सचिव मुस्कान खटवानी ने आयोजन के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्णायकों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में हेमा चावला ने प्रथम, जूही ने द्वितीय तथा जिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं इंदिरा मटेआनी को विशेष श्रेणी सम्मान, रश्मि अजवानी को प्रशंसा सम्मान तथा नीलम माखीजा को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में विजेताओं को सम्मानित करते हुए उनकी रचनात्मकता, प्रतिभा एवं सांस्कृतिक सहभागिता की सराहना की गई। उपस्थित सदस्यों ने पारंपरिक सिंधी व्यंजनों का आनंद लेते हुए सामाजिक समरसता, आपसी सौहार्द एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का संदेश दिया।

आधार सेवाओं को मिलेगा नया आयामः नागौर में 127 ऑपरेटर्स को दिया विशेष प्रशिक्षण

स्मार्ट हलचल

नागौर/ मेड़ता रोड। आधार सेवाओं की गुणवत्ता, पारदर्शिता और तकनीकी दक्षता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को जिला परिषद सभागार में आधार ऑपरेटर्स एवं सुपरवाइजर्स के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिलेभर से आए 127 आधार ऑपरेटर्स एवं सुपरवाइजर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आधार नामांकन और अद्यतन प्रक्रियाओं से जुड़े नवीनतम तकनीकी पहलुओं की जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आधार सेवाओं में होने वाली त्रुटियों को कम करना, तकनीकी दक्षता को बढ़ाना तथा द्वष्ठद्ध द्वारा निर्धारित सुरक्षा एवं गुणवत्ता मानकों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करना रहा। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को आधार नामांकन की प्रक्रिया, दस्तावेज सत्यापन, बायोमेट्रिक डेटा संग्रहण, सुरक्षा प्रोटोकॉल तथा नवीन तकनीकी अपडेट्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण सत्र में प्रशिक्षक खेमराज सिंह, केंद्र प्रबंधक आधार सेवा केंद्र जोधपुर तथा भोमसिंह चौहान, केंद्र प्रबंधक आधार सेवा केंद्र नागौर ने ECMP प्रणाली की कार्यप्रणाली पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए आधार नामांकन एवं अद्यतन कार्यों के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और गुणवत्ता सुधार के उपायों की जानकारी साझा की। साथ ही प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के संयुक्त निदेशक कुम्भाराम रेलावत ने की। उन्होंने कहा कि आधार आज देश के करोड़ों नागरिकों की पहचान का सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज बन चुका है, इसलिए आधार सेवाओं में कार्यरत कार्मिकों का प्रशिक्षित और दक्ष होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नियमित प्रशिक्षण से सेवा गुणवत्ता में सुधार आता है और आमजन को समयबद्ध एवं त्रुटिरहित सेवाएं प्राप्त होती हैं।

रेलावत ने बताया कि राजस्थान में UIDAI से संबद्ध केवल पांच आधार सेवा केंद्र संचालित हैं, जिनमें से एक आधार सेवा केंद्र 14 अप्रैल 2026 से नागौर जिला मुख्यालय पर महिला पुलिस थाना के सामने, नकास गेट के पास संचालित किया जा रहा है। इस केंद्र पर वर्तमान में 13 प्रशिक्षित आधार ऑपरेटर्स सेवाएं दे रहे हैं। यहां 18 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों के आधार नामांकन, आधार संशोधन, मोबाइल नंबर अपडेट, बायोमेट्रिक अपडेट सहित आधार संबंधी सभी प्रमुख सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आधार सेवाओं में पारदर्शिता, दक्षता और विश्वसनीयता को मजबूत करेंगे तथा नागरिकों को बेहतर और सुगम सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के तकनीकी प्रशिक्षण आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

कमला एकादशी स्नान के साथ पुरुषोत्तम मास का पंचतीर्थी स्नान शुरू

स्मार्ट हलचल

पुष्कर। धार्मिक नगरी पुष्कर में कमला एकादशी स्नान के साथ पुरुषोत्तम मास का पंचतीर्थी स्नान शुरू हो गया ।

ज्येष्ठ पुरूषोंतम मास (अधिक मात्र) को कमला एकादशी के मौके पर पुष्कार के पवित्र सरोवर में गुरुवार को हज़ारों श्रद्धालुओं ने धार्मिक सान किया। जिसके साथ ही पंचतीर्थ स्नान शुरू हो गया है । जो यह स्नान पाँच दिनों का होता हैं । लोगों ने आस्था की डुबकी लगाकर धर्मलाभ प्राप्त किया। गायों को जगह जगह चारा डलवाया वहीं पुष्कर के रबड़ी के मालपुओं का दान किया । बताया जाता है कि पुरूषोंतम मास में गायों को चारा एवं मालपुए का दान का महत्व है । ब्रह्म मुहूर्त में ही घटों पर श्रद्धालुओं का जमावड़ा शुरू हो गया। महिलाएँ घाट में रंग बिरगे परिधान में नज़र आई। देखते ही देखते दिन सुरज परवान पर चढ़ने लगा । श्रद्धालुओं की तादाद बढ़ने लगी। घाटों व बाज़ार में भीड़ देखी गई श्रध्दालुओं ने सरोवर में आस्था की डुबकी लगाका पूजा

अर्चना की और ब्रह्मणों को दान पुण्य किया । श्रद्धालु स्नान कर मंदिरों के दर्शन किए मालपुए की ख़रीदारी की । पुष्कर सरोवर में स्नान के पश्चात में जगतपिता ब्रह्मा मंदिर दर्शन किए । कई लोगों ने पवित्र पुष्कर सरोवर की परिक्रमा का भी महत्व है । श्रद्धालुओं के लिए परिक्रमा का मार्ग सुलभ नहीं था । जबकि भीषण गर्मी को देखते हुए मुख्य चाटों पर कारपेट बिछाए गए।साथ ही छाया के लिए टेंट लगाए गए। कमला एकादशी पर शाम बदी घाट पर पवित्र सरोवर की महाआरती की गई । इसका श्री ब्रहम शक्ति एकादशी महाआरती संघ की ओर से तीर्थ पुरोहित शशांक पाराशर की । आरती के पश्चात भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया । जबकि अन्य घाटों पर प्रमुखता से आरती की गई ।

विस्थापित परिवार का फूटा आक्रोशः प्लॉट पर कब्जे और रास्ता बंद करने का आरोप, 3 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो भूख हड़ताल

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। बीसलपुर पुनर्वास योजना के तहत विस्थापित परिवार को आवंटित प्लॉटों पर कथित अतिक्रमण और रास्ता बंद किए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए उपखंड अधिकारी सावर को गुरुवार को ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि तीन दिन के भीतर कार्रवाई नहीं हुई तो वे उपखंड कार्यालय एवं तहसील कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करेंगे।

ज्ञापन के अनुसार चौसला पुनर्वास कॉलोनी में पाडलिया निवासी कमला देवी पत्नी लादूराम, धर्मराज पुत्र लादूराम तथा महेंद्र कुमार पुत्र लादूराम मीणा को वर्ष 2004 में राजस्थान सरकार द्वारा प्लॉट संख्या 1, 2 एवं 3 आवंटित किए गए थे। आरोप है कि कॉलोनी के कुछ लोगों ने प्लॉटों के सामने लगभग 30 फीट चौड़े सार्वजनिक रास्ते पर पक्का चबूतरा, दीवार एवं फाटक बनाकर आवागमन पूरी तरह बाधित कर दिया है, जिससे आवंटित प्लॉटों तक पहुंचना मुश्किल हो गया है।

पीड़ित परिवार का कहना है कि उन्होंने कई बार प्रशासन और संबंधित लोगों को शिकायत देकर समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। परिवार ने आरोप लगाया कि प्लॉटों पर निर्माण सामग्री डालकर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे उन्हें मानसिक, सामाजिक और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

ज्ञापन में कुछ व्यक्तियों पर धमकाने तथा रास्ता नहीं खोलने के आरोप भी लगाए गए हैं। परिवार का यह भी दावा है कि विवादित स्थान पर पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष विश्वजीत सिंह के नाम का बोर्ड लगा हुआ है, जिससे उन्हें संदेह है कि अतिक्रमण उनके संरक्षण में कराया गया है।

पीड़ितों ने प्रशासन से आवंटित प्लॉटों का वास्तविक कब्जा दिलाने, रास्ते से सभी अवरोध हटाने तथा दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि तीन दिन में समाधान नहीं हुआ तो वे भूख हड़ताल पर बैठेंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

ज्ञापन सौंपने के दौरान कमला देवी, धर्मराज मीणा, महेंद्र कुमार, ओमप्रकाश मीणा, नापाखेड़ा सरपंच बंटी बलाई, हनुमत मीणा, जयंत, भगवान सिंह, फूलसिंह, कमल, मनराज, मनोज रेगर, रामराज, रामलाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रशासनिक उपेक्षा से बदहाल हुआ सावर का ऐतिहासिक गांवाई तालाब, सौंदर्यकरण व पुनरुद्धार की उठी मांग

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। सावर कस्बे में स्थित ऐतिहासिक गांवाई तालाब इन दिनों प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा के चलते बदहाली का शिकार बना हुआ है। नगर के मध्य स्थित यह विशालकाय तालाब कभी सावर की पहचान और जल संरक्षण का प्रमुख स्रोत रहा है, लेकिन वर्षों से उचित देखरेख नहीं होने के कारण इसकी स्थिति लगातार खराब होती जा रही है।

रियासती कालीन सावर सत्ताईसा की धरोहर माने जाने वाला यह तालाब गणगौरी चौक, ब्रह्म अखाड़ा, सब्जी मंडी, अंधेरिया बाग और निचला बास क्षेत्र तक फैला हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार करीब छह वर्ष पूर्व तत्कालीन ग्राम पंचायत द्वारा तालाब की सफाई करवाई गई थी। उस दौरान उमरिया वाली आव, तीखी डूंगरी वाली आव तथा किले की तलहटी से आने वाले जल मार्गों को जेसीबी की सहायता से साफ किया गया था और तालाब के आसपास उगे विलायती बबूल सहित अन्य झाड़ियों को भी हटाया गया था।

इसके बाद से तालाब की नियमित देखरेख नहीं होने के कारण पुनः चारों ओर विलायती बबूलों का जाल फैल गया है। तालाब के घाट जर्जर हो चुके हैं तथा ऐतिहासिक जीरा सागर और महिलाओं की कुई भी उपेक्षा के कारण बदहाल स्थिति में पहुंच गई हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि लोग खुलेआम तालाब में कचरा डाल रहे हैं तथा मृत पशुओं को भी यहां फेंका जा रहा है। वहीं नगर की नालियों का गंदा पानी भी तालाब में पहुंचने से जल प्रदूषित हो रहा है और दुर्गंध फैलने लगी है। इससे तालाब की स्वच्छता और पर्यावरणीय स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि उपखंड मुख्यालय पर स्थित इस ऐतिहासिक जलाशय के संरक्षण और विकास के लिए अब तक न तो नगरपालिका प्रशासन ने कोई ठोस पहल की है और न ही जनप्रतिनिधियों ने गंभीरता दिखाई है। ग्रामीणों ने विधायक शत्रुघ्न गौतम तथा जिला प्रशासन से विशेष बजट उपलब्ध करवाकर तालाब के सौंदर्यकरण, सफाई, अतिक्रमण एवं झाड़ियों की सफाई तथा जल आवक मार्गों के पुनरुद्धार की मांग की है।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही तालाब की सफाई और संरक्षण के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो वर्षा जल की आवक के रास्ते पुनः अवरुद्ध हो जाएंगे, जिससे क्षेत्र की जल संरक्षण व्यवस्था पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

ने प्रेरणा दिवस के रूप में मनाई किसान नेता पायलट की पुण्यतिथि

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/अजमेर। नगर कांग्रेस कमेटी की ओर से गुरूवार को पूर्व केंन्द्रीय मंत्री किसान नेता स्व. राजेश पायलट की 26वीं पुण्यतिथि प्रेरणा दिवस के रूप में मनाई। प्रवक्ता शरद वैष्णव ने बताया कि इस मौके पर पुष्कर स्थित कांग्रेस कार्यालय पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। जिसमे स्व. पायलट को पुष्पांजलि अर्पित कर उनके बताए गए सिदान्तों पर चलमे का संकल्प लिया गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता इंसाफ अली ने बताया कि स्वर्गीय पायलट किसानों के मसीहा थे और उनके मन मे किसानों के प्रति बहुत प्यार और हमदर्दी थी। ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष संजय जोशी सहित सभी कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय पायलट के संदेश को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। नगर अध्यक्ष प्रमोद पाराशर ने भी स्वर्गीय पायलट के बताए मार्ग पर गरीबों, किसानों, मजदूरो और युवाओं का कल्याण किया।

श्रद्धांजलि देने वालों में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संजय जोशी नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रमोद पाराशर, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता दामोदर शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता हाजी इंसाफ अली, वरिष्ठ कांग्रेसी दामोदर मुखिया, बैणीगोपाल मन्त्री, टीकम शर्मा, बैधनाथ पाराशर, भागचंद दग्दी, जगदीश कुर्डीया, सुरेश पाराशर, मधुसुदन पाराशर, जसराज गुर्जर, ओमप्रकाश तिगाया, प्रथ्वीराज उदय, प्रेमप्रकाश बकोलिया, महेश नायक विकास मुखिया, पुष्कर नारायण आदाली, शैतान सिंह सांखला, ओमप्रकाश पाराशर, विजय मुखर्जी सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे। वहीं एनएसयूआई अध्यक्ष मधुसूदन मैक्स पाराशर ने स्व,किसान नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट की पुण्यतिथि प्रेरणा दिवस के रूप मनाते हुए पुष्कर नगर कांग्रेस कार्यालय पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की।

जनसुनवाई में बिजली पानी सहित अन्य मांगों के प्रार्थना पत्र सौंपे

घुमंतू परिवारों की गुहारः आवास मिलने तक रोड से नहीं हटाया जाए

स्मार्ट हलचल

महुवा। उपखंड मुख्यालय के आईटी केंद्र पर उपखंड स्तरीय जनसुनवाई में बिजली पानी सहित अन्य समस्याओं केसाथ साटिया, गाड़िया लोहार समाज के घुमंतू परिवारों ने उपखंड अधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपकर रहने के लिए जमीन व मुख्यमंत्री घुमंतू आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की। परिवारों ने कहा कि वर्षों से वे अस्थायी रूप से सड़कों के किनारे झोपड़िया में अपना परिवार सहित जीवन यापन कर रहे हैं और आज भी हमारे पास कोई स्थायी आवास की सुविधा से वंचित हैं।

प्रार्थना पत्र में मांग की गई कि घुमंतू साटिया ,गाड़िया लोहार परिवारों को रहने के लिए भूमि आवंटित की जाए तथा मुख्यमंत्री घुमंतू आवास योजना के तहत उनके लिए मकान बनवाकर स्थायी आवास उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए और घुमंतू परिवार भी सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार रखते हैं।

परिवारों ने प्रशासन से यह भी मांग की कि जब तक उन्हें आवास योजना के तहत वैकल्पिक आवास उपलब्ध नहीं कराया जाता, तब तक उन्हें रोड स्थित वर्तमान निवास स्थलो से नहीं हटाया जाए। उनका कहना है कि बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के हटाए जाने से उनके सामने आश्रय और आजीविका का संकट खड़ा हो जाएगा।

जनसेवक भुवनेश त्रिवेदी ने प्रशासन से मानवीय संवेदनाओं को ध्यान में रखते हुए घुमंतू परिवारों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने तथा उन्हें सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद परिवारों को उनका अधिकार मिलना चाहिए, ताकि वे भी सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी सकें।

उपखंड स्तरीय जनसुनवाई में रसीदपुर गांव में बिजली-सड़क-नाले की सफाई समेत शिक्षा के मुद्दे पर जनसेवक भुवनेश त्रिवेदी के नेतृत्व में दर्जनों ग्रामीणों ने क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर सरकार से समाधान की मांग की। ग्रामीणों ने तहसीलदार पृथ्वीराज मीणा को प्रार्थना पत्र सौंपते हुए बिजली, सड़क, जल निकासी और शिक्षा से जुड़ी समस्याओं के शीघ्र निस्तारण की मांग उठाई।

ग्रामीणों ने बताया कि रसीदपुर में जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड का एक्सप्रेस फीडर तत्काल चालू कराया जाए, जिससे क्षेत्रवासियों को निर्बाध बिजली आपूर्ति मिल सके। साथ ही मंडावर से आ रही करीब 50 वर्ष पुरानी 33 केवी झज्जर लाइन को हटाकर नई लाइन डलवाई जाए, क्योंकि पुरानी लाइन में आए दिन फॉल्ट होने से थोड़ी सी हवा या आंधी आते ही 10 से 12 घंटे तक बिजली गुल रहती है और हजारों लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

जनसुनवाई में रसीदपुर-मीठा से मंडावर-महवा रोड की जर्जर स्थिति का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। ग्रामीणों ने सड़क के गड्डों को भरवाकर पैचवर्क कराने की मांग की और कहा कि बरसात के दौरान यह सड़क दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है।

इसके अलावा ग्रामीणों ने रसीदपुर की मूल आबादी में बने नाले की तत्काल सफाई और मरम्मत कराने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि बारिश से पहले नाले की सफाई नहीं हुई तो नाला टूट सकता है, जिससे बारिश का पानी घरों और खेतों में भर जाएगा। इससे लोगों के मकानों को नुकसान पहुंचने के साथ फसलें भी बर्बाद हो सकती हैं।

जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र में विज्ञान संकाय में बायोलॉजी विषय शुरू करने की मांग भी रखी, ताकि विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए अन्य स्थानों पर भटकना न पड़े।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांगों पर त्वरित कार्रवाई कर आमजन को राहत प्रदान करने की अपील की। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे और क्षेत्र की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर एकजुट नजर आए।

असलपुर और बोबास गांवों में ममता हेल्थ कैंप का सफल आयोजन

गर्भवती महिलाओं को मिला स्वास्थ्य परामर्श एवं पोषण सहयोग

स्मार्ट हलचल

असलपुर। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के तहत असलपुर और बोबास गांवों में ममता हेल्थ कैंप का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कैंप का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर को बेहतर बनाना तथा उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी उपलब्ध कराना था।कैंप के दौरान गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य सहयोग के तहत आवश्यक पोषण पूरक सामग्री जैसे आयरन, कैल्शियम एवं प्रोटीन पाउडर वितरित किए गए। साथ ही, डॉ. गणेश चौधरी, पीएचसी प्रभारी असलपुर ने सभी गर्भवती लाभार्थियों की गर्भावस्था संबंधी जांच की और उन्हें संतुलित आहार लेने, पर्याप्त आराम करने तथा गर्भावस्था के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

ममता हेल्थ कैंप को ग्रामीण महिलाओं की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। बड़ी संख्या में लाभार्थियों ने स्वास्थ्य जांच करवाई और जागरूकता सत्र में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस दौरान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई।

कैंप में श्री सीमेंट की ओर से अधिकारी पुनीत जैन, विनय रॉबर्ट एवं राजेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे। उन्होंने स्वास्थ्य जागरूकता और सामुदायिक विकास के लिए ऐसे कार्यक्रमों के महत्व पर प्रकाश डाला तथा भविष्य में भी इस प्रकार की जनकल्याणकारी गतिविधियों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ स्वास्थ्य को सशक्त बनाने और गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास साबित हुई।

बावड़ी वाले बाबा का एक दिवसीय वार्षिक उर्स कूल कि रस्म के साथ मे सम्पन्न

स्मार्ट हलचल

मनोहरपूर। बुजुर्गानेद्दीन के खिदमतगार सलीम शाह बाबा व मुमताज़ बाबा ने बताया कि सांयकाल बाबा के चददर का जुलुस निकला जिसमे हिन्दू मुस्लिम जायरीनो ने शिरकत कि व पुष्प वर्षा की दरगाह के ख़ादिमो ने बाबा के चददर पेश कि इस दौरान उपस्तिथ जायरीनो के मुख से यही स्वर फुट रहे थे कि निगाहें वली मे वो तासीर देखी बदलती हुई रोज हजारों कि तक़दीर देखी इसके साथ मे भारत देश की खुशहाली की दुआएं मांगी गई। इसके बाद मे लज्जतदार लंगर वितरण किया गया जिसमे अकीदतमंदो ने बड़े ही चाव से खाया। इसके बाद मे रात्रि 10 बजे से सम्पूर्ण रात्रि तक महफिल ए शमा का आयोजन किया गया जिसमे राजस्थान कि प्रसिद्ध कव्वाल पार्टी द्वारा बाबा कि मान मनुहार की गई । कव्वालो ने ज्यों ही इतना दिया मेरे बावड़ी वाले सय्यद बाबा ने जितनी मेरी ओकात नहीं है गाया तो इस कव्वाली पर जायरीन झूम उठे व नोटों की बरसात की ।

इस अवसर पर बुजुर्गानेद्दीन के खिदमतगार मुमताज बाबा फज्जू शाह इरफ़ान शाह मुराद खान मोहम्मद रफीक खान मोहम्मद सलीम मनियार सईद खान बूंदु खान आबिद खान चौहान ताला से सूफ़ी अब्दुल रज्जाक खान शेख आदि उपस्तिथ थे।

इसी दौरान रंग बिरंगे परिधानो मे सज संवरकर हिन्दू मुस्लिम जायरीन अपने अपने वाहनों पर सवार होकर बाबा के गुणगान करतें हुए आए। आने के बाद मे अगरबती फूल इत्र और चादर खरीदकर बाबा के दरबार मे बड़े ही अदब और अहतराम के साथ हाजरी लगाई व अपने हक़ मे दुआएं।

उल्लेखनीय है कि साल कि पहली फ़सल का चूरमा बनाकर बाबा के पेश करतें है इसी प्रकार फल भी बाबा के पेश करतें है इनका ऐसा मानना है कि ऐसा करने से बाबा कि दुआ से पुरे साल तक फ़सल व फल के पेड़ खराब नहीं होते है बाबा ने कई लोगों को चमत्कार दिखाए है आसपास ही नहीं दूर दराज के लोगो को भी चमत्कार दिखाए है। खुदा अपने वली के दर पर आने वाले जायरीनो का विशेष ध्यान रखते है यही कारण है कि वली के दर पर आने वाले कि झोली कभी भी खाली नहीं रहती है।

यह भी उल्लेखनीय है कि यहां पर हर गुरुवार को बाबा के खिदमतगार बैठते है झाड़ा देकर दुआएं करतें है इनके झाडे से प्रेत आत्मा आदि से छुटकारा मिलता है जायरीनो ने बताया कि 7 जुम्मेरात लगातार बाबा के आने पर आपसी टकराहट द्वेषता तंगदस्ती गरीबी दूर होती है जिनके औलाद नहीं होती उनके औलाद होती है जिनकी शादी नहीं होती है उनकी शादी हो जाती है।

बुटेरी फायरिंग मामले में चौथा आरोपी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

बानसूर। क्षेत्र के बुटेरी गांव में हुई फायरिंग के मामले में पुलिस नें चौथें आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना 9 मई को हुई थी,जिसमें पहाड़ी (बहरोड़) निवासी अनिल गुर्जर घायल हो गए थें। थाना प्रभारी राजेश यादव ने बताया कि अनिल गुर्जर के कंधे में गोली लगी थी।पीड़ित ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि वे कोटपूतली से एक शादी समारोह से लौट रहे थे। बुटेरी स्टैंड पर आरोपियों ने उनकी कैंपर गाड़ी को ट्रैक्टरों से टक्कर मारी और गाड़ी पर तीन राउंड फायर किए,जिससे गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। घायल अनिल गुर्जर को पहले बीडीएम अस्पताल ले जाया गया और बाद में बेहतर इलाज के लिए जयपुर रेफर कर दिया गया था। पुलिस ने मामले में हिमांशु गुर्जर निवासी बुटेरी को चौथें आरोपी के रूप में गिरफ्तार किया है।

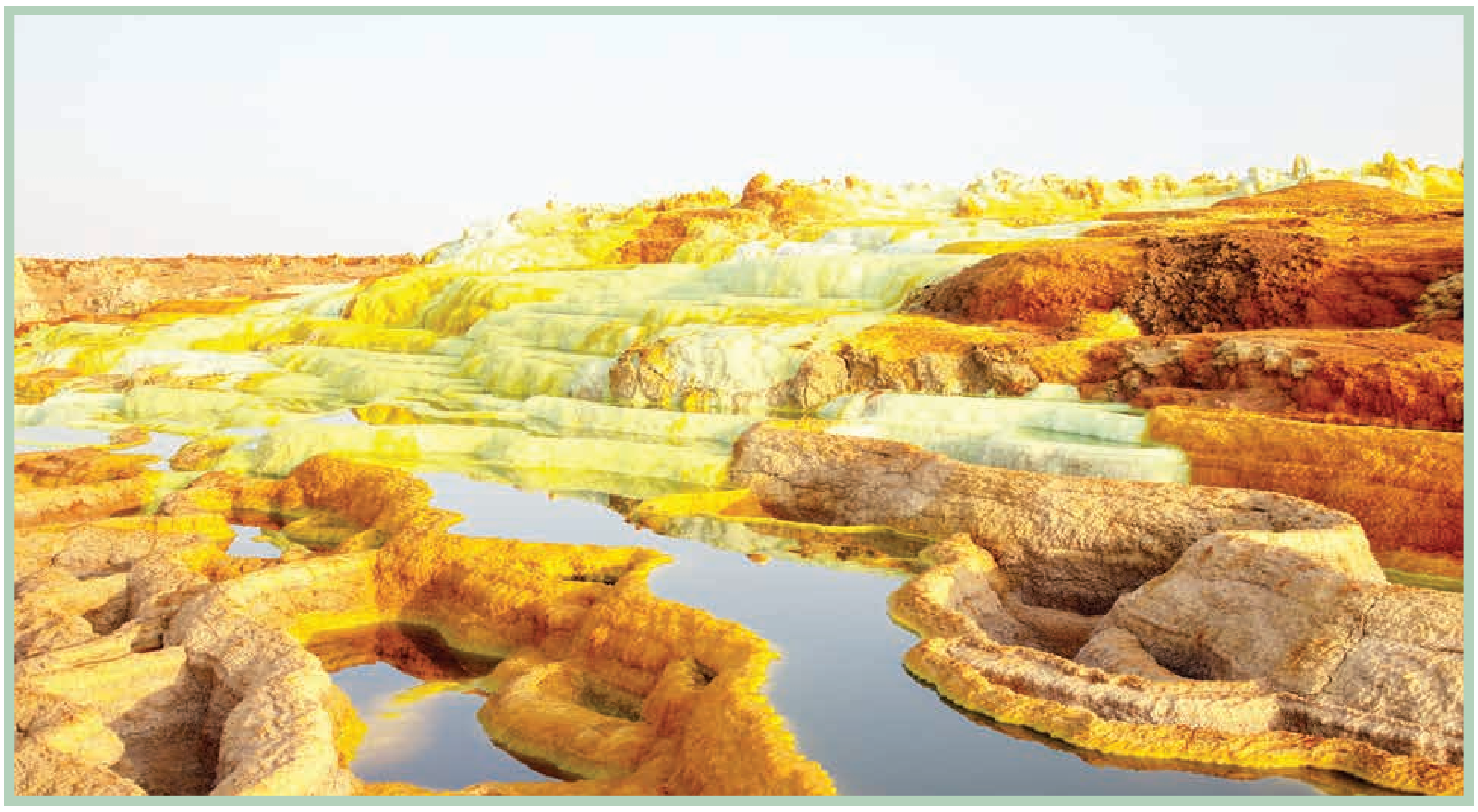

इथियोपिया में जमीन और आसमान से बरसती है आग डानाकिल डिप्रेशन कैसे बना?

इस धरती पर सभी जगहें और उनका तापमान एक जैसा नहीं होता है. हर जगह अलग-अलग मौसम और टेंपरेचर देखने को मिलता है. कहीं बहुत ठंड होती है तो कहीं बहुत गर्मी. ऊंचाई, भूमध्य रेखा से दूरी और समुद्री धाराओं के प्रभाव जैसे कई फैक्टर्स के कारण अलग-अलग जगहों पर तापमान अलग-अलग होता है.

पृथ्वी पर सबसे अजीब जगहों और नरक के प्रवेश द्वार और यहां तक कि मौत की भूमि के रूप में जाना जाने वाला दानाकिल डिप्रेशन इथियोपिया के सबसे लोकप्रिय आकर्षणों में से एक है. गर्म झरने, एसिड पूल, नमक के पहाड़ और भाप से भरी दरारें इसे एक दूसरे ग्रह जैसा बनाती हैं, और यही कारण है कि वैज्ञानिक सौर मंडल के अन्य ग्रहों के बारे में शोध करने के लिए इस स्थान का उपयोग करते हैं.

डानाकिल डिप्रेशन, जिसे अफार त्रिभुज भी कहा जाता है, इथियोपिया में स्थित एक जियोलॉजिकल डिप्रेशन है जो समुद्र तल से लगभग 125 मीटर नीचे है. यह दुनिया के सबसे गर्म और सबसे निचले स्थानों में से एक है, जहां तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक हो सकता है. यह क्षेत्र तीन टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन पर स्थित है, जिसके परिणामस्वरूप ज्वालामुखी गतिविधि और दरार घाटियों का निर्माण होता है.

डानाकिल डिप्रेशन कैसे बना?

दानाकिल इथियोपिया के सुदूर नॉर्थ ईस्ट भाग में स्थित जियोलॉजिकल डिप्रेशन अफार ट्रायंगल का एक हिस्सा है, जहां तीन टेक्टोनिक प्लेटें धीरे-धीरे अलग हो रही हैं. यह क्षेत्र लाल सागर का हिस्सा हुआ करता था. समय बीतने के साथ, ज्वालामुखी विस्फोट के कारण समुद्र भाप में बदल गया और उस स्थान से गायब हो गया.

आज से लगभग 50,000 साल पहले, इथियोपिया लाल सागर और अरब सागर से जुड़ा हुआ था, जिससे विशाल एडियन सागर बना था. लेकिन, जलवायु परिवर्तन और भू-आकृति में बदलाव के कारण, एडियन सागर धीरे-धीरे सिकुड़ गया और अंतत: गायब हो गया, जिससे इथियोपिया लैंडलॉक बन गया.

कैसा है यहां का क्लाइमेट

यहां का तापमान बहुत ज्यादा होता है और बारिश बहुत कम होती है. यहां पीले, नारंगी, लाल, नीले और हरे रंग की झीलें देखने को मिलती हैं. इन झीलों में रंग मैग्मा में मौजूद खनिजों और नमक के बीच प्रतिक्रिया से उत्पन्न होते हैं. यानी जब नमक मैग्मा में मौजूद खनिजों के साथ प्रतिक्रिया करता है, तो यह इन खूबसूरत रंगों को जन्म देता है. जैसे ही गर्मी पानी को वाष्पित करती है, जमीन पर रंगीन पपड़ी जैसी परतें विकसित होती हैं, जो रहस्यमय तरीके से डिप्रेशन में ठंडी फिरोजा झीलों के साथ मिल जाती हैं. वहीं, दानाकिल डिप्रेशन इथियोपिया में स्थित एक जगह है जहां सल्फ्यूरिक एसिड से भरी झीलें हैं, जिन्हें एसिड लेक या सल्फ्यूरिक पूल के रूप में जाना जाता है. ये झीलें पृथ्वी पर सबसे गर्म और नमकीन झीलों में से हैं.

अगर आप डानाकिल डिप्रेशन की यात्रा की योजना बना रहे हैं इसे ध्यान में रखें

डानाकिल बहुत गर्म और एसिडिक जगह है, इसलिए अगर आपको वहां कोई गीला तालाब या बुदबुदाता पूल दिखे तो उसमें अपनी उंगली न डुबोएं. इसके साथ ही उस क्षेत्र में चलने के लिए उपयुक्त जूते पहनें, भू-आकृति क्षेत्रों पर सावधानी से चलें, सही रास्ते और कहां कदम रखना है इसका ध्यान रखें, उस जगह पर घूमने के लिए स्थानीय गाइड की मदद लें इस क्षेत्र में घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से मार्च के बीच है. हालांकि, तब भी तापमान बहुत अधिक और असहनीय होता है. दानाकिल डिप्रेशन के लिए दिन की यात्राएं आमतौर पर विक्रो शहर से सुबह 4 :00 बजे के आसपास शुरू होती हैं. इस जगह पर जाने के लिए हेलीकॉप्टर की सवारी भी उपलब्ध है.

शादीशुदा महिलाओं को क्यों पहनने चाहिए चांदी के आभूषण

हिंदू धर्म में आभूषणों को बहुत महत्व दिया जाता है. हिंदू धर्म में विवाहित महिलाओं के लिए सोलह श्रृंगार करना विशेष महत्व रखता है. इन्हीं में से एक है चांदी की पायल, जो आपने ज्यादातर भारतीय महिलाओं के पैरों में देखी होगी. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि शादी के बाद महिलाएं पैरों में घुंघरू वाली चांदी की पायल क्यों पहनती हैं? शास्त्रों में इन्हें पहनने के पीछे विशेष महत्व और लाभ बताए गए हैं, जो हर कोई नहीं जानता. ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि विवाहित महिलाएं पैरों में घुंघरू वाली चांदी की पायल क्यों पहनती हैं और शास्त्रों में इसके क्या लाभ बताए गए हैं...

शास्त्रों में चांदी को धन, समृद्धि और चंद्रमा का प्रतीक माना जाता है. ऐसे में इस धातु को पहनने से हमारे जीवन और घर में इन सभी चीजों पर भी असर पड़ता है. मान्यता है कि विवाहित महिलाओं के लिए घुंघरू वाली चांदी की पायल पहनना बहुत शुभ होता है. इससे घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है और ससुराल वालों को कभी पैसों की कमी नहीं होती. साथ ही चांदी को शीतलता, शांति और पवित्रता का प्रतीक भी माना जाता है. ऐसे में चांदी की पायल पहनने से शीतलता मिलती है और मन शांत और पवित्र रहता है.

यही कारण है कि वह महिलाएं चांदी की पायल पहनती हैं

ऐसा माना जाता है कि जब विवाहित महिलाएं पैरों में घुंघरू के साथ चांदी की पायल पहनकर घर में घूमती हैं तो बहुत ही मधुर ध्वनि सुनाई देती है. इससे उनके आसपास की नकारात्मक ऊर्जा नष्ट हो जाती है और उसकी जगह घर में सकारात्मकता बनी रहती है. साथ ही पायल की आवाज से परिवार के सदस्यों को मानसिक शांति मिलती है. ऐसा माना जाता है कि जब विवाहित महिलाएं घुंघरू के साथ चांदी की पायल पहनती हैं तो घर में हमेशा खुशियों का माहौल बना रहता है.

इसे विवाहित महिलाओं के सोलह श्रृंगार में से एक माना जाता है और इसे सौभाग्य की निशानी भी माना जाता है. जब महिलाएं चांदी की पायल पहनकर घर में घूमती हैं तो इसकी आवाज से आसपास का माहौल खुशनुमा हो जाता है और शरीर से नकारात्मकता भी दूर रहती है. ऐसा माना जाता है कि चांदी की पायल में लगी घुंघरू मन को एकाग्र रखने में मदद करती हैं और घर में सौभाग्य भी लाती हैं. इसी वजह से विवाहित महिलाओं के लिए चांदी की घुंघरू पहनना बहुत फलदायी माना जाता है.

फटी एड़ियों को सॉफ्ट और स्मूद बनाने के आसान घरेलू उपाय

पैरों की देखभाल के लिए हम अक्सर पेडीक्योर करवाते हैं, लेकिन फिर भी बहुत बार पैरों की एड़ियां फट जाती हैं और उनकी त्वचा कठोर हो जाती है। यही नहीं, सर्दी या गर्मी में त्वचा और भी ज्यादा रूखी और ड्राई हो जाती है। इसके बावजूद, सही देखभाल से आप अपनी एड़ियों को सॉफ्ट और मुलायम बना सकती हैं। इसके लिए आपको किसी महंगे ब्यूटी ट्रीटमेंट की जरूरत नहीं है। सिर्फ कुछ घरेलू उपाय अपनाकर आप फटी एड़ियों को फिर से सॉफ्ट और चिकना बना सकती हैं।

फटी एड़ियों को मुलायम बनाने के लिए जरूरी सामग्री

वैसलीन – 1 बड़ा चम्मच

नारियल तेल – ङ्ख छोटा चम्मच

विटामिन श्व कैप्सूल – 2

पिघला हुआ मोम – थोड़ी सी मात्रा

इन सभी चीजों को एक बाउल में सही अनुपात में डालकर अच्छे से मिला लें। आप चाहें तो इन सामग्रियों को माइक्रोवेव में हल्का गर्म कर सकती हैं या फिर डबल बॉयलर का इस्तेमाल कर सकती हैं। ध्यान रखें कि मिश्रण हल्का गुनगुना ही रहे, न बहुत गरम हो।

मुलायम और सॉफ्ट एड़ियां बनाने के लिए तरीका

मिश्रण तैयार करने के बाद, इसे अपनी फटी एड़ियों पर अच्छे से लगाएं। इस मिश्रण को कम से कम 20 मिनट तक एड़ियों पर लगा रहने दें ताकि यह त्वचा में अच्छे से समा जाए। 20 मिनट के बाद इसे हल्के हाथों से साफ कर लें।

इस ट्रीटमेंट से मिलने वाले फायदे

यह आपकी एड़ियों को मुलायम, चिकना और शाइनी बनाएगा। स्किन की ड्राईनेस को कम करेगा और त्वचा को नमी देगा। नियमित रूप से इस ट्रीटमेंट के इस्तेमाल से आपके पैरों की त्वचा स्वस्थ और कोमल बनेगी। यह घरेलू उपाय न केवल आपकी एड़ियों को ठीक करता है, बल्कि इससे आपके पैरों की त्वचा को भी कई फायदे होते हैं। तो अगर आप भी फटी एड़ियों से परेशान हैं, तो यह आसान और सस्ते उपाय जरूर आजमाएं और अपने पैरों को दें एक नई जान। अगर आपको यह आर्टिकल पसंद आया हो, तो इसे अपने दोस्तों के साथ जरूर शेयर करें और नीचे दिए गए कमेंट सेक्शन में अपनी राय हमें जरूर बताएं!

रिमझिम बारिश में एक्सप्लोर करें महाराष्ट्र का संगमेश्वर

वीकेंड में बनाएं घूमने का प्लान

महाराष्ट्र में जब भी बारिश होती है, तो लोनावला से लेकर माथेरान और महाबलेश्वर जैसी जगहों पर पर्यटकों की भीड़ लगने लगती है। वहीं महाराष्ट्र की फेमस जगहों से दूसर संगमेश्वर एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है।

महाराष्ट्र हमारे देश का एक खूबसूरत और प्रमुख राज्य है। महाराष्ट्र एक ओर से अरब सागर और दूसरी ओर से सतपुड़ा पर्वतमाला से घिरा हुआ है। यह एक ऐसा राज्य है, जो रिमझिम बारिश में पर्यटन हब का सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है। महाराष्ट्र में जब भी बारिश होती है, तो लोनावला से लेकर माथेरान और महाबलेश्वर जैसी जगहों पर पर्यटकों की भीड़ लगने लगती है। वहीं महाराष्ट्र की फेमस जगहों से दूसर संगमेश्वर एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। वहीं हल्की रिमझिम बारिश में संगमेश्वर की खूबसूरती किसी हसीन खजाने से कम नहीं लगती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको संगमेश्वर की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में संगमेश्वर

संगमेश्वर की खासियत और खूबसूरती बेहद कमाल की है। यह रत्नागिरी में स्थित एक खूबसूरत और मनमोहक जगह है। संगमेश्वर महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से करीब 284 किमी, पुणे से 247 किमी और कोल्हापुर से करीब 120 किमी दूर है।

क्यों फेमस है संगमेश्वर

महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में स्थित संगमेश्वर भले ही एक छोटा सा शहर है, लेकिन यह जगह अपने धार्मिक, ऐतिहासिक महत्व और खूबसूरत पर्यटन स्थलों के लिए पूरे राज्य में फेमस है। खासकर यह जगह संगमेश्वर मंदिर और संगमेश्वर शहर के लिए फेमस है। जोकि भगवान शिव को समर्पित है।

संगमेश्वर महाराष्ट्र का एक ऐसा शहर है, जो शास्त्री नदी और सोनावी नदी के संगम पर स्थित है। इसके चलते यहां पर रिमझिम बारिश में राज्य के हर कोने से लोग घूमने के लिए आते हैं। इस स्थान को रत्नागिरी का छिपा हुआ खजाना भी माना जाता है। वहीं गमेश्वर वहीं स्थान है, जहां पर औरगंजेब ने छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे छत्रपति संभाजी महाराज को बंदी बनाया था।

पर्यटकों के लिए क्यों खास है ये जगह

संगमेश्वर का इतिहास प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। रिमझिम बारिश में स्थित वॉटरफॉल से लेकर घास के मैदान और नदियों की खूबसूरती इस जगह को बेहद खूबसूरत बनाने का काम करती है। संगमेश्वर की हरियाली देखते ही बनती है।

संगमेश्वर अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। शहर की भाग-दौड़ भरी जिंदगी से दूर संगमेश्वर में आप सुकून के कई पल बिताने के लिए पहुंचते हैं। संगमेश्वर अपनी खूबसूरती के साथ ही एडवेंचर एक्टिविटी के लिए भी जाना जाता है। कई लोग मानसून में यहां पर सिर्फ ट्रेकिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं।

संगमेश्वर मंदिर

संगमेश्वर के सबसे प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में संगमेश्वर मंदिर काफी फेमस है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। पहाड़ी की चोटी पर स्थित होने के कारण पर्यटक यहां घूमने के लिए पहुंचते रहते हैं। मंदिर के आसपास से बेहद खूबसूरत नजारा देखने को मिलता है। कर्णेश्वर मंदिर को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं और यह मंदिर भी भगवान शिव को समर्पित है।

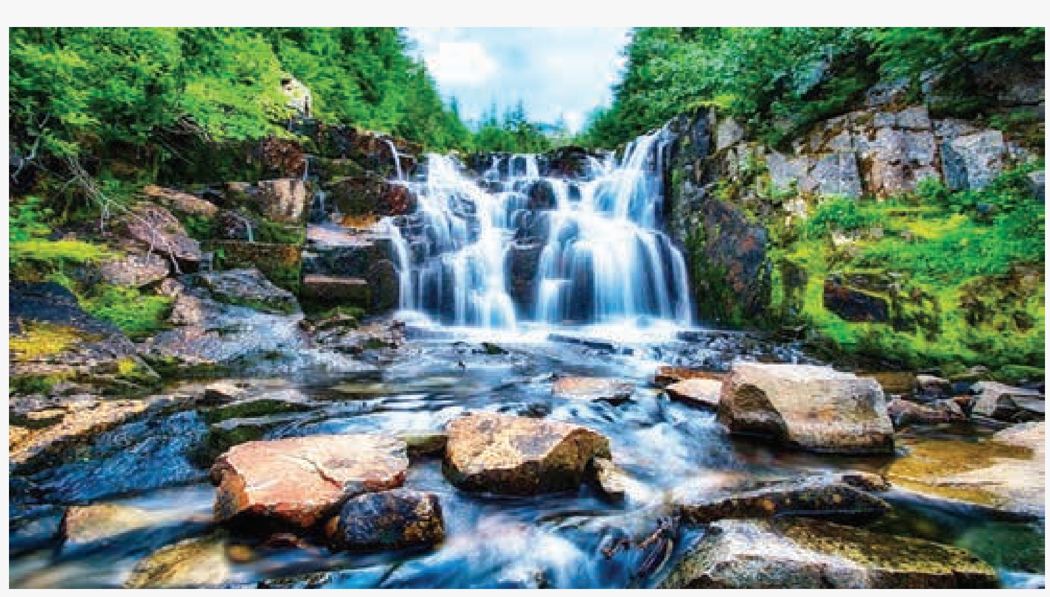

मार्लेश्वर वॉटरफॉल

संगमेश्वर के पहाड़ों में स्थित मार्लेश्वर एक फेमस और खूबसूरत वॉटरफॉल है। मानसून में यहां सिर्फ स्थानीय पर्यटक नहीं बल्कि अन्य कई शहरों से पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। यह वॉटरफॉल प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र है। यहां के आसपास की हरियाली पर्यटकों को खूब आकर्षित करती है। इसके साथ ही आप छत्रपति संभाजी महाराज की समाधि को एक्सप्लोर करना न भूलें।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com